दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-19 भोपाल, मंगलवार 30 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

अभिमानी व्यक्ति स्वयं को ही खा जाता है।
- शेक्सपियर

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्णा
दसमी, मंगलवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:40/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	22 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,430

शेयर सूचकांक

बीएसई	57260.58	+153.43
निफ्टी	17053.95	+27.50

लोकसभा में विंटर सेशन शुरू होते ही कृषि मंत्री तोमर ने कृषि कानून वापसी का बिल पेश किया

कृषि कानून वापसी बिल दोनों सदनों में पास, पिछले सत्र में हंगामा करने वाले 12 राज्यसभा सांसद निलंबित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

संसद के विंटर सेशन के पहले दिन ही कृषि कानून वापसी बिल दोनों सदनों में पास हो गया है। यह बिल अब राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया। इसके तुरंत बाद ही विपक्षी दलों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के हंगामे के बीच ही बिल राज्यसभा में पास हुआ। वहीं, लोकसभा कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा में विंटर सेशन शुरू होते ही कृषि मंत्री तोमर ने कृषि कानून वापसी का बिल पेश किया, जो पास भी हो गया। इसके बाद कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने कानून वापसी पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने विपक्ष से कहा कि आप चर्चा चाहते हैं तो हम वो करवाने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष ने नारेबाजी जारी रखी।

राज्यसभा से 12 सांसद निलंबित

वहीं, राज्यसभा के 12 सांसद निलंबित कर दिए गए हैं। इनमें CPM के एलाराम करीम, कांग्रेस के फूलो देवी नेताम, छाया वर्मा, आर बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रसाद सिंह, CPI सांसद बिनॉय विश्वम, TMC नेता डोला सेन और शांता छेत्री और शिवसेना के प्रियंका चतुर्वेदी व अनिल देसाई शामिल हैं। मानसून सत्र के दौरान बदसलूकी को लेकर यह कार्रवाई हुई है। राज्यसभा कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

राहुल बोले- कहा था कि काले कानून वापस लेने पड़ेंगे

कांग्रेस के राहुल गांधी ने कहा, हमने कहा था कि 3 काले कानूनों का वापस लेना पड़ेगा। हमें पता था कि 3-4 बड़े पूंजीपतियों की शक्ति हिंदुस्तान के किसानों के सामने खड़ी नहीं हो सकती और वही हुआ। काले कानूनों को रद्द करना पड़ा। ये किसानों की सफलता है। देश की सफलता है।

टिकैत ने कहा- हमारा आंदोलन जारी रहेगा

इस बीच, संयुक्त किसान मोर्चा के लीडर राकेश टिकैत ने कहा, कृषि कानून वापस हो चुके हैं, लेकिन अब MSP और किसानों की समस्याओं पर चर्चा होनी चाहिए। हम 4 दिसंबर को एक बैठक करेंगे और उसमें आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

गलती मानी है तो नुकसान की भरपाई करें

राहुल ने कहा कि ये तीन कानून किसानों और मजदूरों पर आक्रमण थे। किसानों और मजदूरों की कठिनाइयों की लिस्ट लंबी है, जो MSP और कर्ज माफी तक ही सीमित नहीं है। वे अभी भी मांग कर रहे हैं और हम उनका समर्थन करते हैं। आपने कहा प्रधानमंत्री ने माफी मांगी, इसका मतलब प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि उनकी गलती के कारण 700 लोग मारे गए, उनकी गलती से आंदोलन हुआ। अगर उन्होंने गलती मानी है तो नुकसान की भरपाई तो करनी पड़ेगी। कांग्रेस नेता ने कहा, जिस तरह से संसद में बिना किसी चर्चा के कानून रद्द किए गए, ये दिखाता है कि सरकार चर्चा से डरती है। सरकार जानती है कि उसने गलत काम किया है। 700 किसानों की मृत्यु और कानूनों को लागू करने के पीछे किसकी शक्ति थी, इस पर चर्चा होनी थी, लेकिन सरकार ने नहीं होने दी।

मोदी ने सत्र से पहले की थी शांति बनाए रखने की अपील

संसद के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों से शांति और मर्यादा बनाए रखने की अपील की। PM ने कहा कि संसद में सवाल हो, लेकिन शांति भी बनी रहे। हमारी पहचान इस बात से हो कि हमने सदन में कितने घंटे काम किया, न कि इस बात से कि सदन में किसने कितना जोर लगाकर संसद को रोका। प्रधानमंत्री का इशारा विपक्ष के हंगामे की तरफ था। इधर, कृषि कानूनों की वापसी की मांग को लेकर कांग्रेस ने संसद परिसर में धरना दिया। इसमें कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल समेत पार्टी नेता शामिल हुए।

मथुरा में 3 दिन में 4 विदेशी पॉजिटिव; यूरोप से 60 लोग ग्रुप में घूमने आए थे

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में लगातार तीसरे दिन एक और विदेशी महिला कोविड पॉजिटिव पाई गई। वह रूस से भारत आई थी। इससे पहले शनिवार को 1, रविवार को 2 और सोमवार को 1 विदेशी महिला व 1 स्थानीय युवक के पॉजिटिव आने के बाद अब यहां एक्टिव केस 5 हो गए हैं। पॉजिटिव मिलने के बाद रमणरेती इलाके में स्थित बिल्डिंग को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। यूरोपीय देशों का 60 सदस्यीय दल वृंदावन घूमने के लिए 15 नवंबर को आया था। इन लोगों को 21 को वापस जाना था लेकिन, कई सदस्य यहां रुक गए। इसके बाद कुछ सदस्य वापस चले गए, जबकि कुछ रह गए। अब इन लोगों ने वापस अपने देश लौटने से पहले एयरपोर्ट पर कोविड रिपोर्ट दिखाने के लिए टेस्ट कराया तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

सूदखोरी खा गई पूरा परिवार सबसे अंत में व्यापारी की पत्नी ने भी दम तोड़ा

भोपाल। भोपाल में सूदखोरों से तंग आकर जहर खाने वाले ऑटो पार्ट्स व्यापारी का परिवार चार दिन में खत्म हो गया। पहले दो दोनों बेटियां, सास और पति की मौत के बाद सोमवार सुबह अर्चना की मौत हो गई। इसके साथ ही एक हंसते-खेलते परिवार का अंत हो गया। मरने के पहले सिर्फ परिवार के मुखिया और व्यापारी संजीव जोशी और उनकी पत्नी अर्चना के ही बयान हो सके। इसी आधार पर पुलिस सूदखोर गैंग की सरगना बबली दुबे उसकी बेटी रानी दुबे, सगी बहनें उर्मिला खांबरा, प्रमिला बेलदार को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

मध्यप्रदेश में ओमिक्रॉन की दहशत

साउथ अफ्रीकी देश बोत्सवाना से जबलपुर आई विदेशी महिला लापता

फ्लाइट के सभी यात्रियों का कोरोना टेस्ट होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जबलपुर

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की दहशत अब मध्यप्रदेश में भी है। अफ्रीकी देश बोत्सवाना से जबलपुर आई एक महिला की वजह से भोपाल से दिल्ली तक हड़कंप मचा है। यह महिला 18 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट से एयर इंडिया की फ्लाइट से जबलपुर आई थी, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल पाया है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन के अधिकारी महिला की तलाश में जुटे हैं। एयर इंडिया ने सोमवार तक जानकारी शेयर करने की बात कही है। प्रशासन ने महिला की तलाश के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। इस समय दुनिया भर में

ओमिक्रॉन की वजह से चिंता बढ़ गई है। यह डेल्टा वैरिएंट से सात गुना तेजी से फैल रहा है। साउथ अफ्रीका समेत कई देशों में इस वैरिएंट के मरीज मिल चुके हैं। यही वजह है कि विदेशों से आने वाले हर यात्री की मॉनिटरिंग और कॉन्टैक्ट ट्रैसिंग कर सैंपल लिए जा रहे हैं। रविवार को जबलपुर जिला प्रशासन को पता चला कि 18 नवंबर को साउथ अफ्रीका के बोत्सवाना की एक महिला जबलपुर पहुंची है। उसकी तलाश में हेल्थ विभाग ने शहर के सभी होटलों और गेस्ट हाउस छान मारे, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया।

Karni Sena के विरोध के बाद बिसाहूलाल पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा,

किसी को मर्यादा लांघने का अधिकार नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में कई मुद्दों पर बात की. राजपूत समाज की महिलाओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने पर राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने बिसाहूलाल के घर का घेराव कर पुतला फूंका था और बिसाहूलाल को पद से हटाने की मांग की थी. मामला बढ़ा तो प्रदेश के आलाकमान को संज्ञान लेना पड़ा. मामले पर अब नरोत्तम मिश्रा का बयान आया है. उन्होंने मंत्री बिसाहूलाल को लेकर सख्त संदेश दिया और सीएम के निर्देशों की तारीफ की.

सीएम ने जो भी किया ठीक किया

नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सीएम शिवराज सिंह ने जो भी किया है वो ठीक ही किया है. किसी को भी शब्दों की मर्यादा लांघने का अधिकार नही है. बिसाहूलाल के मामले में सीएम शिवराज सिंह भी सख्त रुख दिखा चुके हैं. मध्य प्रदेश में मंत्री बिसाहूलाल द्वारा सवर्ण महिलाओं पर दिए गए बयान का मामला बढ़ा तो बीजेपी भी बेकफुट पर नजर आ गई. सीएम शिवराज सिंह चौहान ने खुद मंत्री बिसाहूलाल से बातचीत की, जिसके बाद मंत्री बिसाहूलाल ने अपने बयान पर माफी मांग ली. मामले पर सीएम ने खुद अपना पक्ष भी रखा. बयान पर सफाई देते हुए सीएम शिवराज ने कहा कि व्यक्ति कोई भी हो, यदि इस तरह की भावनाओं का प्रकटीकरण करेंगे, जिससे गलत संदेश जाये, तो हम क्षमा नहीं करेंगे. भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और मंत्रियों को भी मर्यादा का पालन करना पड़ेगा.

मंत्री ने मांगी माफी

सीएम शिवराज की सरकार के मंत्रियों विधायकों और कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी गई है कि इस तरह के बयान ना दें, जिससे दल की इमेज खराब हो या माताओं और बहनों के सम्मान के खिलाफ हो. इस तरीके के बयान कतई बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे. इसके बाद सीएम ने बताया कि मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने अपने बयान को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है. मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने भी अपने बयान पर खेद जताते हुए कहा कि मैं जिंदगी भर माता और बहनों का सम्मान करता आया हूं, मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं. इसके साथ ही नरोत्तम मिश्रा ने बीजेपी में होने वाली मंत्री समूह की बैठक पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बीजेपी में बैठके होती रहती हैं. सीएम शिवराज सिंह पार्टी के नेता, मंत्रियों और विधायकों से जमीनी हकीकत का फीडबैक लेते रहते हैं और इस तरह की परंपरा चलती रहनी चाहिए. इससे पार्टी में एकरुपता बनी रहती है.

ओमिक्रॉन पर एक्शन में सरकार

एट रिस्क देशों के यात्रियों का एयरपोर्ट पर ही कोरोना टेस्ट, निगेटिव आने पर भी 7 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

भारत में पिछले 24 घंटे में 8,309 कोरोना केस सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान कोरोना से 236 लोगों की जान भी गई है। इस बीच, वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के मद्देनजर भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सोमवार को नई गाइडलाइन जारी की। इसके मुताबिक, %एट रिस्क% देशों से आने वाले सभी यात्रियों को आने के साथ ही कोविड-19 टेस्ट से गुजरना होगा। टेस्टिंग की शर्त तब भी लागू होगी, जबकि आने वाले यात्री पूरी तरह वैक्सीनेटेड हों। एट रिस्क वाले देशों को छोड़कर बाकी देशों के यात्रियों को एयरपोर्ट से बाहर जाने की अनुमति होगी। उन्हें 14 दिन के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग करनी होगी। ओमिक्रॉन के खतरे की श्रेणी से जिन देशों को बाहर रखा गया है, वहां से आने वाले यात्रियों में 5 फीसदी की टेस्टिंग जरूर की जाएगी।

12 देशों को एट रिस्क वाले देशों में रखा

बता दें कि केंद्र सरकार ने 12 देशों की लिस्ट तैयार की है, जहां नए वैरिएंट का खतरा अधिक है। इनमें यूके समेत यूरोप के सभी देश, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग और इजराइल शामिल हैं।

मिस कर गए अडाणी : सबसे अमीर बिजनेसमैन बनने से चूक गए अडाणी, अब अंबानी से 13 अरब डॉलर पीछे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी एशिया में सबसे अमीर बिजनेसमैन बनने के सुनहरे अवसर को मिस कर गए। पिछले हफ्ते उनके पास यह मौका आया था। अब गौतम अडाणी की संपत्ति मुकेश अंबानी से 13 अरब डॉलर कम हो गई है।

रिलायंस का शेयर 3 फीसदी बढ़ा

आज रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 3 फीसदी बढ़कर 2,471 रुपए पर पहुंच गया है। दरअसल रिलायंस की टेलीकॉम कंपनी जियो ने टैरिफ में इजाफा करने का फैसला किया है। इसका पॉजिटिव असर रिलायंस के शेयर्स पर आज दिखा है। इसका मार्केट कैप आज 15.69 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जबकि अडाणी ग्रुप के कई शेयर

आज लोअर सर्किट या फिर गिरावट में हैं।

अडाणी ग्रुप का मार्केट कैप 9.61 लाख करोड़

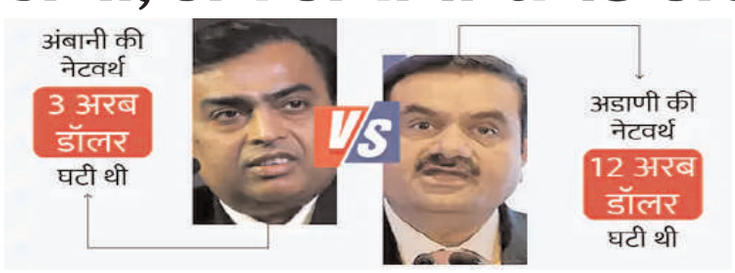

अडाणी ग्रुप की 6 लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज 9.61 लाख करोड़ रुपए है। यानी रिलायंस के मार्केट कैप से करीबन 6 लाख करोड़ रुपए कम है। जबकि 25 नवंबर को रिलायंस का मार्केट कैप 14.99 लाख करोड़ और अडाणी की कंपनियों का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ रुपए था।

अंबानी की संपत्ति 91.1 अरब डॉलर

ब्लूमबर्ग के अरबपतियों के इंडेक्स के मुताबिक, शुक्रवार के आधार पर मुकेश अंबानी की संपत्ति 91.1 अरब डॉलर है। उनकी संपत्ति उस दिन 3.6 अरब डॉलर घटी थी। जबकि अडाणी की संपत्ति 78.1 अरब डॉलर थी। उनकी संपत्ति 12.4 अरब डॉलर घटी थी। इस तरह से दोनों के बीच 13 अरब डॉलर से ज्यादा का अंतर हो गया है। गुरुवार को दोनों की नेटवर्थ बराबरी पर थी और यह 89-89 अरब डॉलर हो गई थी। रुपए में यह 6.63 लाख करोड़ रुपए थी।

अडाणी की हिस्सेदारी ज्यादा

गौतम अडाणी की अपनी कंपनियों में हिस्सेदारी रिलायंस समूह की कंपनियों में अंबानी की हिस्सेदारी की तुलना में ज्यादा है। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज में हिस्सेदारी 50.61 फीसदी है जबकि अडाणी की हिस्सेदारी उनकी कंपनियों में 70.59 फीसदी है। अडाणी की 3 कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी 74.92-74.92 फीसदी जबकि एक कंपनी में 74.80 और 2 कंपनियों में यह 60 से 64 फीसदी है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

» कोविड वैक्सीन अवश्य लगवाएँ-यही बचाव का सबसे कारगर उपाय है

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते आवश्यक सावधानियाँ रखना जरूरी : मुख्यमंत्री श्री चौहान

» दूसरे देशों से मध्यप्रदेश आने वाले यात्रियों के संबंध में भारत सरकार के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाएगा
» संक्रमण के लक्षण वाले लोग तुरंत टेस्ट कराएँ
» मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की प्रदेशवासियों से अपील

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कर रहे हैं समीक्षा।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपील की है कि तीसरी लहर जैसी किसी समस्या या आशंका को ध्यान में रखकर कोरोना से बचाव के सभी आवश्यक उपायों पर अमल करें। मास्क लगाएँ, हाथों को समय-समय पर साफ करें और दूसरों से आवश्यक दूरी अवश्य बनाकर रखें। कुछ देशों में कोरोना के नए वेरिएंट के मामले सामने आ रहे हैं। अभी तक भारत में इसकी उपस्थिति की कोई सूचना नहीं है, लेकिन सावधानियाँ अत्यंत जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों से यह अपील की गई है। मुख्यमंत्री ने इस आशय का ट्वीट भी किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपील में कहा है कि कोविड वैक्सीन अवश्य लगवाएँ। दिसम्बर माह तक वैक्सीन के दोनों डोज प्रदेश के सभी नागरिकों को लगाना हमारी प्राथमिकता है। यही कोरोना से बचाव का सबसे कारगर उपाय है। अभी सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक नहीं होगी लेकिन संक्रमण रोकने के सभी नियमों और सावधानियों का पालन प्रदेशवासी अवश्य करें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि दूसरे देशों से मध्यप्रदेश आने वाले यात्रियों के संबंध में भारत सरकार के सर्विलांस नियमों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दूसरे देशों से आने वाले व्यक्तियों से सहयोगात्मक रवैया अपनाने की अपील की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन लोगों को संक्रमण के जरा भी लक्षण दिखते हैं, वे तुरंत टेस्ट करवाएँ। बिल्कुल भी असावधान न रहें, संक्रमण फैलने से रोकने के जो आवश्यक नियम हैं, उन सबका पालन करें। सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। राज्य सरकार की कोशिश है कि तीसरी लहर न आ पाए।

सुशासन का प्रभावी माध्यम बनी है कमिश्नर-कलेक्टर कान्फ्रेंस : मुख्यमंत्री श्री चौहान

» कलेक्टर-एसपी के काम पर निर्भर है जनता को सुशासन देना
» कलेक्टर-एसपी के अच्छे कार्य का बेहतर असर होता है
» पुलिस प्रशासन की ढ़िलाई से सरकार की छवि प्रभावित होती है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कमिश्नर-कलेक्टर, आईजी-एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ने अब सुशासन के लिए एक निश्चित व्यवस्था का स्वरूप धारण कर लिया है। यह सुशासन का प्रभावी माध्यम बनी है। कॉन्फ्रेंस का निश्चित एजेंडा है, उस पर बिंदुवार चर्चा होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने डीजीपी कॉन्फ्रेंस में कई विषयों पर विचार-विमर्श किया है। इस संबंध में प्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्देश भी प्राप्त हुए हैं। इन निर्देशों के संबंध में भी वीडियो कॉन्फ्रेंस में चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कलेक्टर, एसपी अपने-अपने स्तर पर सरकार के प्रतिनिधि हैं। जिलों में उन्हीं के काम पर जनता को सुशासन देना निर्भर है। उन्हीं के कार्य से सरकार की विभिन्न योजनाएँ जनता तक पहुँचती हैं। जिला स्तर पर कलेक्टर-एसपी के अच्छे कार्य का बेहतर असर होता है, परंतु जहाँ ढिलाई रहती है उससे सरकार की छवि प्रभावित होती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संपूर्ण प्रशासनिक अमला पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षकों की वीडियो कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। मंत्रालय से इस कांफ्रेंस में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री विनोद कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी उपस्थित थे। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी कॉन्फ्रेंस से वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सर्वप्रथम कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा और विश्लेषण किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में माफिया के विरुद्ध कार्यवाही, महिला अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था की स्थिति तथा माफिया के अतिक्रमण से मुक्त भूमि के उपयोग की समीक्षा होगी। विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ की सभी पात्र हितग्राहियों को सरलता से उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से 15 नवंबर से 15 दिसंबर 2021 तक चलाए जा रहे विशेष अभियान की भी समीक्षा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण और कोविड-19 टीकाकरण की द्वितीय डोज लगाने की कार्यवाही की समीक्षा भी होना है। प्रधानमंत्री शहरी पथ विक्रेता स्वनिधि योजना और मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। वीडियो कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, सी.एम. राइस योजना, मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना, मध्यप्रदेश सिकल सेल (हीमोग्लोबिन) मिशन, मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना का प्रस्तुतिकरण तथा जिला कलेक्टर्स से अपेक्षाओं पर चर्चा होगी। वीडियो कान्फ्रेंस में एक जिला-एक पहचान योजना में सीहोर जिले में जारी नवाचारों पर प्रस्तुतिकरण होगा। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण के लिए श्योपुर जिले में जारी गतिविधियों तथा हरदा जिले में स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन की स्थिति पर भी प्रस्तुतिकरण होगा।

दो साल में जावद के एक हजार युवाओं को आईटी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा : मंत्री श्री सखलेचा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

आगामी 2 साल में जावद क्षेत्र के लगभग एक हजार युवाओं को आईटी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए तैयार करना है, इसके लिए हर संभव सहयोग एवं धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए तैयार करें, विशेष कोचिंग के माध्यम से उन्हें आईटी क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार करवाएं। रविवार को लघु मध्यम उद्यम तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा डाकबंगला जावद में अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में कलेक्टर श्री मयंक अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सखलेचा ने कॉलेज प्राचार्य से कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए साफ्टवेयर को अपडेट करवाएं और कॉलेज में सीडैक की फ्रेंचाइजी प्रारंभ करवाएं। जो बच्चे उत्तीर्ण होंगे, उनकी आधी फीस शासन की ओर से प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि जेईई एवं नीट की तैयारियों के लिए बच्चों को विशेष कोचिंग एवं ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था की गई है। बच्चों की सतत मॉनिटरिंग कर ऐसी व्यवस्था करें कि इस साल कम से कम जावद क्षेत्र के 50 बच्चे जेईई और नीट की परीक्षा में चयनित हो जाए। मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि जावद क्षेत्र में विद्यार्थियों को जैपनिस लैंग्वेज की शिक्षा के लिए 10 अतिथि शिक्षक रखने की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि जब तक जैपनिस लैंग्वेज के शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो जाती तब तक ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से विद्यार्थियों का अध्यापन प्रारंभ करवाया जाए। मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि जावद क्षेत्र के लगभग दो हजार बच्चों को जैपनिस लैंग्वेज सिखाना है।

पर्यटन एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के शहरों को देश के प्रमुख शहरों से हवाई यात्रा के माध्यम से जोड़ने के लिए परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की।

न्यूज ब्रीफ

धार पुलिस द्वारा फर्जी कागजात बनाकर भूमि हड़पने वालों पर बड़ी कार्रवाई

भोपाल। धार जिले के ग्राम मगजपुरा में धार महाराज द्वारा अस्पताल और अन्य जन-कल्याणकारी कार्यों के लिये दी गई भूमि के फर्जी कागजात बनाकर हेराफेरी करने पर 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। धार पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार के नेतृत्व में उप पुलिस अधीक्षक (महिला अपराध) सुश्री यशस्वी शिंदे द्वारा प्रस्तुत जाँच आवेदन के आधार पर नगर पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र धुर्वे और 5 टीमों द्वारा यह बड़ी कार्रवाई की गई है। आरोपियों ने मगजपुरा गाँव के भूमि सर्वे नम्बर-29 की कीमती भूमि का स्वामी न होते हुए भी अन्य लोगों को शामिल कर विवादित सम्पत्ति का अंतरण किया। तथ्यों को छिपाकर भ्रामक तथ्यों द्वारा कपट पूर्वक फर्जी दस्तावेज और फर्जी पक्षकारों द्वारा विभिन्न वाद पेश किये।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया के ग्राम बसई में एक करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली सड़क का भूमि पूजन किया।

विषय वक्ता प्रशिक्षण वर्ग में मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री ने कहा

हम सत्ता नहीं विचार के लिए काम कर रहे हैं इसे, कार्यकर्ताओं तक पहुंचाएं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

हमारी लड़ाई बड़ी है और इसे हमें जीतना ही है। हम सत्ता नहीं, विचार के लिए काम कर रहे हैं, देश के लिए काम कर रहे हैं और इसी के लिए अपना जीवन झोंक रहे हैं। हमारी सरकारें किस तरह से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अंत्योदय के विचार को जमीन पर उतारने का काम कर रही हैं? प्रधानमंत्री मोदी जी के सत्ता में आने के बाद दुनिया में भारत की छवि किस तरह बदली है? इन सभी बातों को हमें पार्टी कार्यकर्ताओं तक पहुंचाना है और यही इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने एक दिवसीय विषय वक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला में आए प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कही।

हम देश के लिए काम कर रहे हैं, यह बात कार्यकर्ताओं तक पहुंचाएं- शिवराजसिंह चौहान:- प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि हमारी लड़ाई बहुत बड़ी है और इसे हमें जीतना ही है। हम सत्ता नहीं विचार के लिए काम कर रहे हैं, देश के लिए काम कर रहे हैं, यह बात हमें कार्यकर्ताओं तक पहुंचाना है। श्री चौहान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आपको आगे आने वाली भूमिका के लिए तैयार करना है। इसलिए आप सभी विषय के अनुसार स्वयं को तैयार करें और आत्मविश्वास रखें। श्री चौहान ने कहा कि भाजपा एक विचार आधारित दल है इसके प्रति कार्यकर्ताओं में समझ पैदा करना है।

भाजपा अन्य दलों से अलग कैसे है, यह कार्यकर्ताओं को समझाना है: विष्णुदत्त शर्मा

प्रशिक्षु वक्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित दल है, विचार आधारित दल है और अन्य दलों से अलग है। प्रशिक्षण के दौरान आपको इस बात को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाना है। भाजपा का जो विचार या विषय है, उसका प्रतिपादन आपको करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण इस बात पर केंद्रित है कि मंडल स्वाबलंबी कैसे बने, सशक्त ग्राम और नगर केंद्र कैसे बने और बूथ सक्षम कैसे बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकारें योजनाओं के माध्यम से अंत्योदय को जमीन पर उतारने का काम कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

एशियन पेंट्स अपने क्षमता विस्तार पर करेगी 960 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। एशियन पेंट्स लिमिटेड गुजरात के अंकलेश्वर में स्थित अपनी विनिर्माण इकाई की क्षमता का विस्तार करने के लिए 960 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एशियन पेंट्स ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि उसने अपने पेंट उत्पादन क्षमता को 1.3 लाख किलो लीटर से बढ़ाकर 2.5 लाख किलो लीटर करने के लिए इस संयंत्र की क्षमता विस्तार के लिए गुजरात सरकार के साथ एक समझौता किया है। एशियन पेंट्स ने बताया कि यह विस्तार लगभग 960 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ अगले दो-तीन वर्षों में पूरा हो जाएगा। यह विस्तार कंपनी के पास पहले से मौजूद भूभाग में ही किया जाएगा। कंपनी ने इस क्षमता विस्तार के बाद रेजिन एवं इमल्सन के उत्पादन को भी 32,000 टन से बढ़ाकर 85,000 टन करने का लक्ष्य रखा है।

शापूरजी पालोनजी की आवासीय इकाई जॉयविले 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली। निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शापूरजी पालोनजी की आवासीय इकाई जॉयविले अपने नए चरण के तहत 750 नए फ्लैट्स बनाने के लिए करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी पुणे, मुंबई और कोलकाता में अपनी तीन आवासीय परियोजनाओं की मांग में वृद्धि को भुनाने के लिए यह निवेश कर रही है। जॉयविले देश में आकांक्षी आवासीय परियोजनाओं को विकसित करने वाला 1,240 करोड़ रुपये का एक प्लेटफार्म है। यह प्लेटफार्म शापूरजी पालोनजी, एडीबी, आईएफसी और एक्टिस ने खड़ा किया है। कंपनी ने अभी तक छह परियोजना शुरू की है। जॉयविले शापूरजी हाउसिंग के प्रबंध निदेशक श्रीराम महादेवन ने पीटीआई- भाषा से कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी जल्द ही अपनी चल रही आवासीय परियोजनाओं में विकास के नए चरण शुरू करेगी। उन्होंने कहा, ''कंपनी जॉयविले हडपसर (पूर्वी पुणे), जॉयविले विरार (मुंबई के पास) और जॉयविले हावड़ा (कोलकाता के पास) ... अपनी तीन परियोजनाओं में नए चरण शुरू करेगी। हम इन तीन परियोजनाओं के नए चरणों में 750 से अधिक फ्लैट बनाने की योजना बना रहे हैं।'' महादेवन ने परियोजना की लागत को लेकर कहा कि निवेश की कुल रकम 300 करोड़ रुपये के आस पास होगी और हमें बिक्री से 400 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है।

चीनियों को पसंद नहीं चाइनीज स्मार्टफोनःशाओमी, ओप्पो, रियलमी और वीवो की भारत में भारी डिमांड, चीन में सबसे ज्यादा बिक रहे आईफोन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत में चीनी कंपनियों के बनाए स्मार्टफोन काफी पॉपुलर हैं। शाओमी, ओप्पो, रियलमी और वीवो भारत के टॉप-5 स्मार्टफोन ब्रांड में शामिल हैं। क्या आपको पता है कि जिस देश के ये ब्रांड हैं, वहीं के लोग ही इन फोन को खरीदना पसंद नहीं कर रहे हैं। इनकी जगह पर लोग एपल के फोन खरीद रहे हैं। आईफोन-13 सीरीज के तो वे दीवाने हैं। एपल बना चीन का नंबर-1 स्मार्टफोन ब्रांड बीते अक्टूबर की रिपोर्ट के मुताबिक, ओप्पो को पीछे छोड़कर एपल चीन का टॉप स्मार्टफोन ब्रांड बन गया है। चीन में सबसे ज्यादा एपल के आईफोन को पसंद किया जाता है। रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अक्टूबर में आईफोन 13 सीरीज के स्मार्टफोन में पिछले महीने के मुकाबले 46 फीसदी की ग्रोथ देखी गई। चीन की टॉप टेक कंपनियां हुवावे, वीवो, ओप्पो टॉप स्मार्टफोन ब्रांड बनने में पीछे रह गईं। इस साल मार्च में ओप्पो चीन की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बनकर उभरी थी। इससे पहले मार्च 2021 में वीवो टॉप पर रही थी। अक्टूबर में इन सभी कंपनियों को पीछे छोड़कर एपल चीन की लीडिंग स्मार्टफोन कंपनी बन गई। यह दिसंबर 2015 के बाद पहला मौका है, जब एपल चीन में टॉप स्मार्टफोन ब्रांड बनकर उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ समय में हुवावे प्रीमियम स्मार्टफोन के मार्केट से बाहर है। पिछले 5 से 6 महीने में हुवावे के मार्केट शेयर में जोरदार गिरावट देखी गई है। इसका सीधा फायदा एपल को मिला है।

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले टॉप 5 ब्रांड

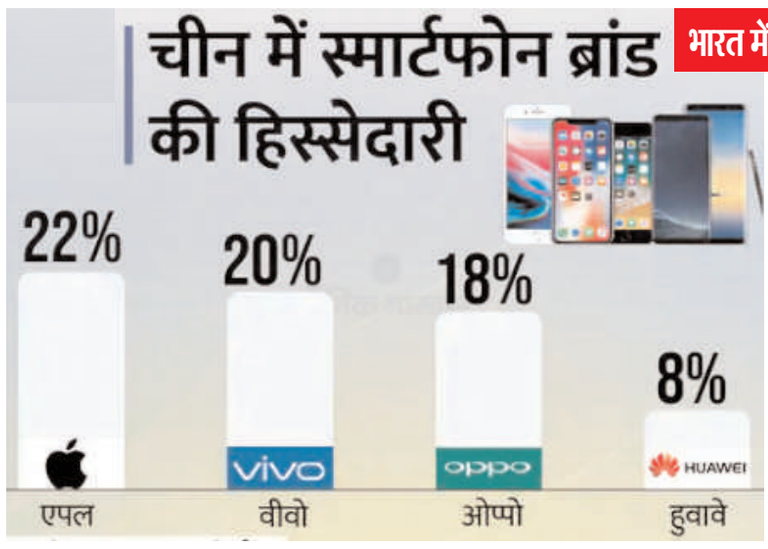

जुलाई से सितंबर यानी तीसरी तिमाही के बीच शाओमी ने भारत में सबसे ज्यादा स्मार्टफोन बेचे हैं। शाओमी 2021 की तीसरी तिमाही में 1.2 करोड़ स्मार्टफोन की बिक्री के साथ सबसे आगे रहा। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 की तीसरी तिमाही में भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में सालाना आधार पर 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान भारत में 4.8 करोड़ स्मार्टफोन शिपमेंट किए गए। 2020 में भारत में 5.42 करोड़ फोन की बिक्री हुई थी। तब वीवो सबसे आगे था। भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में यह पहली बार था जब 12 फीसदी गिरावट हुई। जबकि इसके पहले पिछली 4 लगातार तिमाहियों में ग्रोथ ही दर्ज की गई थी।

725 पॉइंट्स टूटने के बाद सेंसेक्स में 439 पॉइंट्स की तेजी

एक मिनट में 5 लाख करोड़ स्वाहा

- निफ्टी 17 हजार के नीचे, सेंसेक्स 57 हजार के नीचे
- कोरोना के नए वैरिएंट से बाजार में बिकवाली तेज
- विदेशी निवेशकों ने नवंबर में 31 हजार करोड़ रुपए निकाले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शेयर बाजार में सुबह भारी गिरावट के बाद अब तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स करीबन 725 पॉइंट्स टूटकर 56,668 पर पहुंच गया था। हालांकि अभी यह 439अंक ऊपर 57,456 पर कारोबार कर रहा है। ज्यादातर गिरावट बैंकिंग और मेटल शेयर्स में दिख रही हैं।

मार्केट कैप 253 लाख करोड़ रुपए

लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 253.28 लाख करोड़ रुपए रह गया है। शुक्रवार को यह 258.31 लाख करोड़ रुपए था। पहले ही मिनट में करीबन 5 लाख करोड़ रुपए की कमी इसमें आई है। शुक्रवार को इसमें 7.50 लाख करोड़ रुपए की कमी आई थी। आज सेंसेक्स सुबह 79 पॉइंट्स नीचे 57,028 पर खुला था। खुलते ही बाजार में पहले मिनट में 500 अंकों की गिरावट आ गई। बैंकिंग शेयर्स में स्क्क्ष्छ 3 फीसदी टूटा है जबकि एचडीएफसी बैंक 2 फीसदी टूटा है। टाटा स्टील, NTPC, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, बजाज ऑटो, मारुति जैसे शेयर्स 2 से 3 फीसदी टूटे हैं। एक्सिस बैंक एचडीएफसी बैंक 2-2 फीसदी जबकि कोटक महिंद्रा बैंक 1 फीसदी टूटा है।

10 शेयर्स बढ़त में

सेंसेक्स के 30 शेयर्स में से 10 शेयर्स बढ़त में हैं। बाकी 20 शेयर्स में गिरावट है। उधर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 115 अंकों की बढ़त के साथ 17,141 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स और निफ्टी पिछले कई महीने का रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। दोनों पहली बार 57 हजार और 18 हजार के नीचे पहुंच गए हैं। निफ्टी आज 17,055 पर खुला था और 16,838 का निचला स्तर बनाया। हालांकि 17,068 का हाई बनाया था। यह अभी 16,837 पर है।

निफ्टी के 46 शेयर्स गिरावट में

निफ्टी की 50 कंपनियों में से 46 कंपनियों के शेयर्स गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। केवल 4 शेयर्स बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स 2.23 फीसदी, निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल इंडेक्स 1-1 फीसदी की गिरावट के साथ इस समय कारोबार कर रहे। गिरने वाले प्रमुख शेयर्स में ONGC, अडाणी पोर्ट, हीरो मोटो कॉर्प और इंडियन ऑयल हैं। बढ़त वाले शेयर्स में हिंडालको, डॉ. रेड्डी, रिलायंस और इंडसइंड बैंक के साथ सिप्ला है।

भारी गिरावट हुई थी

इससे पहले शुक्रवार को 2.87 फीसदी या 1,650 पॉइंट्स की गिरावट दर्ज की गई। नेशनल स्टॉक का निफ्टी 510 पॉइंट्स या 2.91 फीसदी गिरकर 17,026 पर बंद हुआ। 18 अक्टूबर को सेंसेक्स 61,765 पर बंद हुआ था। यह जनवरी में 48 हजार पर बंद हुआ था। 19 अक्टूबर को इसने 62,245 का रिकॉर्ड बनाया था। तब से सेंसेक्स 5 हजार पॉइंट्स या 8 फीसदी गिर चुका है। बाजार में लगातार गिरावट का कारण कोरोना का नया वैरिएंट और विदेशी निवेशकों द्वारा बाजार से निवेश को निकालना है।

जूट आयुक्त ने कच्चे जूट की कीमत बढ़ाने के सुझाव को नकारा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईजेएमए ने जूट आयुक्त को कच्चे जूट की कीमत को 6,500 रुपये से बढ़ाकर 7,200 रुपये प्रति क्विंटल करने का सुझाव दिया था। राज्य सरकार ने खाद्यान्न भंडारण में इस्तेमाल होने वाले जूट के बोरों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर जूट उत्पादकों की राय मांगी थी। जूट आयुक्त ने आईजेएमए को लिखे अपने एक पत्र में इस सुझाव को अस्वीकार कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पश्चिम बंगाल सरकार की बुलाई गई बैठक में जूट-निर्मित बोरे की अधिकतम कीमत 100 रुपये प्रति बोरा तय करने का प्रस्ताव रखा गया है। जूट नियामक ने कहा है कि इस प्रस्ताव के बारे में जूट मिल संघ भी अपना पक्ष रखेगा। उन्होंने कहा कि है कच्चे जूट की कीमत बढ़ाने के बजाय जूट-निर्मित बोरे की अधिकतम कीमत तय करना उचित होगा।

इस बीच आईजेएमए चेयरमैन राघव गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उनका संगठन जूट आयुक्त की तरफ से रखे गए प्रस्ताव पर अभी राजी नहीं हुआ है। इसके लिए संगठन के अधिक सदस्यों के साथ विचार के बाद ही कोई फैसला किया जाएगा।

फेमा में फंसे अमेजन-फ्यूचर ग्रुप

ईडी ने विवादित डील के लिए भेजा नोटिस, किशोर बियानी और अमित अग्रवाल से पूछे जाएंगे सवाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमेजन इंडिया और फ्यूचर ग्रुप के बीच हुई डील एक बार फिर संकट में पड़ गई है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि इस विवादित डील को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने अमेजन इंडिया के कंट्री हेड अमित अग्रवाल और फ्यूचर ग्रुप के हेड किशोर बियानी को नोटिस भेजा है। सूत्रों का कहना है कि ईडी की जांच फ्यूचर काउपोंस प्राइवेट लिमिटेड और अमेजन इंडिया के बीच हुई विवादित डील में फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के नियमों के उल्लंघन से जुड़ी है। ANI की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि दोनों ग्रुप्स के अधिकारियों को ईडी ने 6 दिसंबर को दिल्ली में पेश होने के लिए कहा है। एजेंसी के हेडक्वार्टर में होने वाली इस पेशी में दोनों कंपनियों को डील से जुड़े सभी दस्तावेज लाने का आदेश भी दिया गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईडी इस बात की जांच करेगी कि अमेजन ने 2019 में एफसीपीएल में 1431 करोड़ रुपए का निवेश कर 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने में FEMA का उल्लंघन तो नहीं किया है।

एफसीपीएल की है बिग बाजार, ईजीडे में हिस्सेदारी

सूत्रों के मुताबिक, अमेजन इंडिया ने जिस एफसीपीएल में 49 फीसदी हिस्सा खरीदा है, उसकी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (स्त्रक्र) में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी है। स्त्रक्र ही बिग बाजार, फूड बाजार और ईजीडे जैसी बड़ी रिटेल चेन का संचालन करती है। अमेजन के स्पॉक्सपर्सन ने भी ईडी का नोटिस मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, हमें ईडी ने फ्यूचर ग्रुप के सिलसिले में नोटिस भेजा है। हमें अभी समन मिला ही है। हम उसकी जांच कर रहे हैं और दिए गए समय में उसका जवाब देंगे।

कोर्ट में भी चल रहा है इससे जुड़ा विवादः- फ्यूचर रिटेल की संभावित बिक्री को लेकर दोनों कंपनियों में कानूनी विवाद चल रहा है। अमेजन का कहना है कि फ्यूचर रिटेल का रिलायंस रिटेल को बेचने का करार उनके साथ 2019 में हुए निवेश समझौते का उल्लंघन है।

दिसंबर में 12 दिन बैंकों में नहीं होगा कामकाज

बैंक में काम है तो छुट्टियों के ये दिन रखें याद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साल के आखिरी महीने यानी दिसंबर में बैंकों में 12 दिन कामकाज नहीं होगा। देश में कई वजहों से अलग-अलग जगहों पर 6 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इनके अलावा 4 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे।

आइजोल में लगातार 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

मिजोरम की राजधानी आइजोल में बैंकों में लगातार 4 दिन कामकाज नहीं होगा। यहां 24 से 27 दिसंबर तक बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में लोगों को यहां परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

2 शनिवार और 4 रविवार की छुट्टी | 6 दिन की अलग-अलग राज्यों में छुट्टी

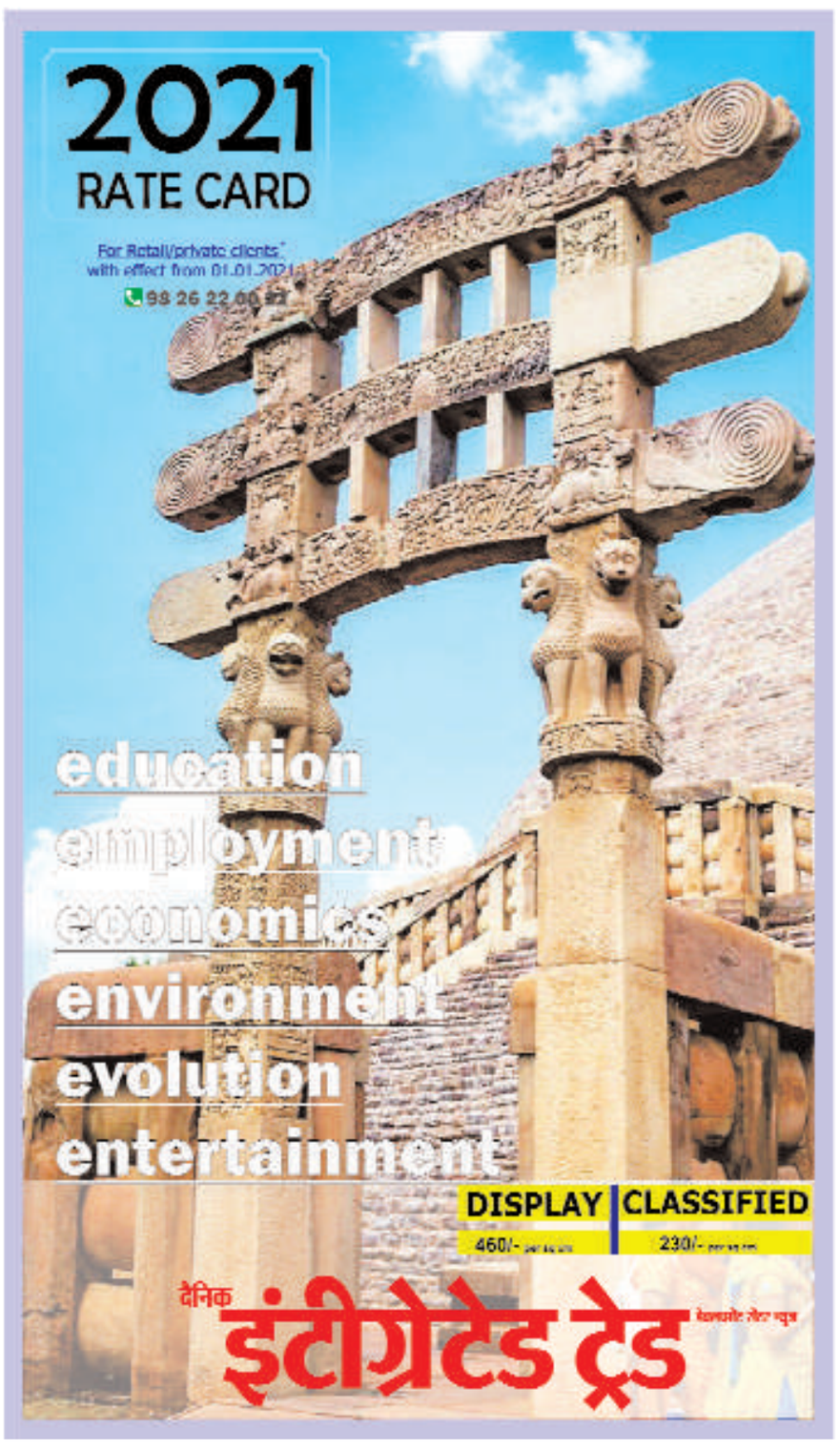

भारती एक्सा लाइफ का नया व्यापार प्रीमियम पहली छमाही में 33 प्रतिशत बढ़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस का नया व्यापार प्रीमियम चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 33 प्रतिशत बढ़कर 285 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 214 करोड़ रुपये था। कंपनी ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि सितंबर 2021 के दौरान उसने अपने भारित नए व्यापार प्रीमियम में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वही वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-सितंबर अवधि में कंपनी का नवीनीकरण प्रीमियम आठ प्रतिशत बढ़कर 645 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 594 करोड़ रुपये था। कंपनी की चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल प्रीमियम आय बढ़कर 1,024 करोड़ रुपये हो गई जो इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में 912 करोड़ रुपये थी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग राजा ने कहा, ५हमने कई मापदंडों पर स्थिर प्रदर्शन दर्ज किया है और चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में अपने नए व्यापार प्रीमियम संग्रह के लिए उच्चतम कारोबारी वृद्धि हासिल की है।

कांग्रेस की जड़ें खोदकर क्या हासिल करना चाहती है ममता बनर्जी

भारतीय राजनीति में पिछले लगभग साढ़े सात वर्षो में अगर किसी का अवमूल्यन हुआ है तो वह कांग्रेस है। संसद के शीत सत्र से पहले कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी पार्टियों की बैठक में शामिल नहीं होने की तृणमूल कांग्रेस की घोषणा इसका ताजा उदाहरण है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को अगर पुरानी स्मृतियों में गोता लगाने का शौक हो तो उन्हें याद होगा कि हाल तक कैसे तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी बड़े आदर और उम्मीद के साथ उनका नाम लेती थीं। अब सब कुछ बदल गया है। ममता की पार्टी कांग्रेस की बची-खुची शक्ति को अपने में समाहित करने की रणनीति पर चल रही है। यह बात सबको समझ में आ रही है। कांग्रेस के प्रथम परिवार को भी यह आभास हो रहा है कि उसकी ताबूत में आखिरी कील ठोकी जा चुकी है। विडंबना यह कि वह इसे स्वीकारने और पार्टी को फिर से खड़ा करने का श्रमसाध्य काम करना नहीं चाहता या उसमें इसकी योग्यता नहीं है। पता नहीं सोनिया गांधी और राहुल गांधी कभी इसका हिसाब-किताब लगाते हैं कि कैसे एक-एक कर राज्य उनके हाथ से निकलते गए। पिछले हफ्ते मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा कांग्रेस के 18 में से 11 विधायकों को लेकर तृणमूल में शामिल हो गए। अगले चुनाव में अगर तृणमूल सरकार बना लेगी तो इस सूची में और राज्य जुड़ जाएंगे। पूवरेत्तर भारत के सबसे बड़े राज्य असम के हिमंता बिस्वा सरमा हों या फिर आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के के. चंद्रशेखर राव, सभी कांग्रेस से निकले और हिमंता बिस्वा सरमा को छोड़कर शेष दोनों अपनी क्षेत्रीय पार्टी बनाकर सत्ता में आए। ममता बनर्जी ने भी कांग्रेस की जड़ता से तंग आकर वर्ष 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया और दो दशक में वह इस स्थिति में पहुंच गई हैं कि अपनी मूल पार्टी की छत्रछाया को स्वीकार करने के बजाय अब खुद विपक्ष का नेतृत्व करने की तैयारी कर रही हैं।

असम में कांग्रेस से तृणमूल में शामिल होने वाली राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव और मेघालय में मुकुल संगमा के अलावा उत्तर पूर्व के त्रिपुरा में भी कांग्रेस को उसकी पूर्व सदस्य की पार्टी नुकसान पहुंचा रही है। त्रिपुरा के स्थानीय निकाय के चुनाव नतीजों में भले ही तृणमूल कांग्रेस को खास सफलता नहीं मिली हो, लेकिन भविष्य की राजनीति के लिहाज से विपक्ष का दावा तो ठोक ही दिया है। प्रदेश कांग्रेस के नेता अपने अजीबोगरीब तर्क से भले ही खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन गंभीर लोग उनके इन प्रयासों को खास महत्व नहीं देंगे। वे इसे सेंधमारी साबित करते रहें, समझदार लोग इसे राजनीति कहते हैं। ममता बनर्जी ने उत्तर पूर्व के इन राज्यों के अलावा गोवा में भी कांग्रेस को समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। राज्य से पार्टी के वरिष्ठ नेता लुइजिन्हो फलेरियो अब ममता के साथ हैं। तृणमूल कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे कमलापति त्रिपाठी के परपोते ललितेशपति त्रिपाठी को साथ लिया है और बिहार में भी जदयू में रहे पूर्व नौकरशाह पवन वर्मा एवं पूर्व क्रिकेटर और पूर्व में भाजपा से लोकसभा सदस्य रह चुके व फिलहाल कांग्रेस में रहे कीर्ति आजाद को भी पार्टी में शामिल कराया है। इससे स्पष्ट है कि ममता इन दोनों राज्यों को लेकर बहुत गंभीर नहीं हैं और इसकी ठोस वजह भी है। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस खुद इतनी कमजोर है कि उसकी जमीन पर कोई और पार्टी फल-फूल नहीं सकती। जिन राज्यों में ममता को संभावना नजर आ रही है, वहां उनकी सक्रियता साफ दिख रही है। त्रिपुरा में हिंसा को बेवजह मुद्दा बनाकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचना इसका प्रमाण है। एक के बाद अपने ही नेताओं के विद्रोह डोलते-डोलते कांग्रेस अब उस स्थिति में पहुंच गई है जहां मुगल सल्तनत के आखिरी बादशाह बहादुर शाह जफर और उनके बाद आने वाले वारिस पहुंच गए थे। कहने को सुल्तान, लेकिन किले तक सीमित। कहने को कांग्रेस के पास अभी पंजाब, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सरकारें हैं, लेकिन सवाल है कि कब तक। इन राज्यों में मुख्यमंत्रियों के खिलाफ पार्टी के अंदर असंतोष की खबरें सास-बहू के गप्प की तरह चर्चा में रहीं।

संपादकीय

जीते हारे कोई अजेंडा तो बन गया गरीब, दलित, किसान

अब अन्तरराष्ट्रीय स्तर से लेकर आम जनता तक कुछ मूलभूत सवाल उठने लगे हैं। सत्तारूढ़ पार्टी और सरकार के लिए इनका जवाब देना कोई मुश्किल नहीं है। उसे केवल सच के अजेंडे पर आना होगा। इससे जनता में भी और बाहर भी सरकार की छवि बनेगी। और देश का भी भला होगा। हिन्दू-मुसलमान अंतिम सत्य नहीं हैं। सत्य तो जनता ही है। और यही सही अजेंडा है जो अब यूपी में सेट हो गया है। जीत हार तो अलग बात है। मगर उससे बड़ा सवाल है कि अजेंडा किस का चलेगा? तो उत्तर प्रदेश में अजेंडा प्रियंका गांधी का सेट हो गया है। देखें कैसे? शुक्रवार को प्रियंका प्रयागराज पहुंचीं। वहां दलित परिवार के चार लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। प्रियंका ने वहां पीड़ित परिवार से मिलकर कहा कि वे उस नृशंस नरसंहार के विडियो देखकर और परिवार से उस भयानक वृतांत को सुनकर हिल गईं। सामंती गुंडों ने मां-बेटी से बलात्कार किया। और फिर कुल्हाड़ी से गले काटे। परिवार में एक पुरुष सदस्य बचा। जो सुरक्षा बल में है और झारखंड के नक्सलियों से लड़ रहा है। बाकी महिलाएं हैं। वे पुलिस के पास जाती हैं तो पुलिस उल्टे उन्हीं का मजाक उड़ाती है। बहुत डरी हुई हैं। कैसे रहेंगीं। कौन बचाएगा। प्रियंका ने कहा कि क्या स्थिति है। हर दो-चार दिन में वे किसी पीड़ित परिवार के पास जाती हैं। हाथरस में दलित लड़की के साथ बलात्कार के बाद उसके शव को भी परिवार को न देना और पुलिस द्वारा खुद जला देना, लखीमपुर में किसानों को मंत्री पुत्र द्वारा कुचल देना, आगरा में थाने में अरुण वाल्मिकी की मौत, और अब यह प्रयागराज में दलित फूलचंद पासी के परिवार का नरसंहार। और भी सोनभद्र, उन्नाव जाने कितनी जगहें हैं जहां प्रियंका पहुंची।

प्रियंका के इन बयानों और विडियो के सामने आने के बाद शनिवार को मायावती ने इस पर ट्वीट किया। फिर उसके थोड़ी देर बाद अखिलेश यादव का ट्वीट आया। ये दोनों मुख्यमंत्री रह चुके हैं। मगर इतने बड़े हत्याकांड के बाद कोई पीड़ित परिवार को हिम्मत बंधाने नहीं पहुंचा। यहां इस समय यह बताना भी जरूरी है कि अब आंसू पोंछने नहीं साथ खड़े होने, डर कम करने के लिए जाना जरूरी होता है। हाथरस से लेकर जितने भी कांड हुए उसके बाद पीड़ित परिवार को ही और परेशान करने के मामले ही सामने आए। प्रियंका हर जगह पहुंचीं। और जैसा कि अभी प्रयागराज के मामले में देखा कि उसके बाद अखिलेश और मायावती को ट्वीट करना पड़ा। आप के सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने भी किया। केवल ट्वीट। और वह भी इसलिए कि प्रियंका वहां गईं। प्रियंका ने पीड़ितों के साथ खड़ा होकर हिम्मत का माहौल बना दिया। उन्हें कई बार पुलिस के द्वारा रोका गया। सोनभद्र और लखीमपुर जाते हुए हिरासत में लिया गया। मगर वे पीड़ित परिवारों से मिले बिना वापस आने को तैयार ही नहीं हुईं। मजबूर होकर उन्हें जाने दिया गया। लेकिन उत्तर प्रदेश की कोई पार्टी नम्बर एक से लेकर तीन तक की भाजपा, सपा, बसपा कोई पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने को वहां नहीं गया। मगर इसके बावजूद वे अब इन घटनाओं को नजरअंदाज करने की स्थिति में नहीं रहे। प्रियंका ने गरीब का, दलित का, किसान का महिलाओं का अजेंडा सेट कर दिया है। अब हर पार्टी को चाहे वह सत्ता पक्ष हो या मुख्य विपक्षी दल पीड़ितों की बात करना पड़ रही है। मायावती और अखिलेश चाहे जाएं नहीं मगर ट्वीट के जरिए ही उन्हें अपना समर्थन देना पड़ रहा है और भाजपा की सरकार को चाहे वह जाति के आधार पर किसी को कम, किसी को ज्यादा मुआवजा दे मगर देना पड़ रहा है। सबसे बड़ी मुसीबत मीडिया की है प्रियंका के वहां जाने के बाद वह घटना को छुपा नहीं पाती है। चाहे कम दे, चाहे अपराधियों का समर्थन करते हुए दे मगर खबर देना पड़ रही है। यही प्रियंका की सफलता है। यही वह न्याय का, कानून व्यवस्था का, गरीब पर जुल्म का, महिला सुरक्षा का, किसान का,और आम जनता का अजेंडा है जो प्रियंका सेट करना चाह रही हैं। चुनाव के नतीजे चाहे जो हों मगर जनता के वास्तविक सवाल इस दौरान उठना चाहिए और बांटने वाले सवाल जनता से दूर होना चाहिए। प्रियंका यही कर रही हैं। उन्हें अभी यूपी का चार्ज संभाले दो साल हुए। मगर इतने कम समय में वे इतनी जगह गईं कि यूपी में जुल्म के, न्याय के सवाल खड़े होने लगे। प्रधानमंत्री को किसान बिल वापस लेना पड़े। कौन सोच सकता था कि अपनी पीछे नहीं हटने वाली छवि बनाए प्रधानमंत्री को अचानक ऐसे अपने कदम वापस खिंचना पड़ेंगे। मगर प्रियंका के लखीमपुर पहुंच जाने से यूपी में किसान का अजेंडा ऐसा सेट हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी को पीछे हटना पड़ा। और उससे भी ज्यादा आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया आई किसानों की। प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद माना यह जा रहा था कि किसान खुशी-खुशी अपने घर, गांव वापस लौट जाएंगे। मगर उन्होंने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी) की मांग को जोरदार तरीके से सामने रखते हुए फिलहाल आंदोलन खत्म करने से इंकार कर दिया। किसानों का भरोसा बढ़ा कि प्रियंका और राहुल उनके साथ आखिरी तक डटे रहने वाले लोग हैं। प्रियंका लगातार केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टैनी की बर्खास्तगी की मांग कर रही हैं। किसानों ने अपनी लखनऊ रैली वापस लेने से इंकार करते हुए मंत्री को हटाने की मांग और जोर-शोर से उठाना शुरु कर दी। भाजपा की सबसे बड़ी परेशानी यही है कि लोगों की जिन्दगी के रोजमर्रा के सवाल उठने लगे। नहीं तो वह चुनाव में केवल हिन्दु-मुसलमान चाहती है। अभी जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के समय मुख्यमंत्री योगी जिन्ना की बातें कर रहे थे। जाने अनजाने में अखिलेश भी इसमें अपना योगदान दे जाते हैं। और फिर ओवैसी तो है हीं। टीवी के आधे स्क्रीन में उन्हें खड़ा करके बाकी आधे में मीडिया योगी और मोदी को खड़ा करके हिन्दू- मुसलमान का जहर उगलना शुरू कर देता है। मीडिया अपनी तरफ से आग लगाने की पूरी कोशिश कर रहा है।

लोकतंत्र की चिंता का सच

सोमवार 29 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरु होने जा रहा है। वैसे तो संसद के सभी सत्र देश के लिए खास महत्व रखते हैं, लेकिन इस बार का सत्र राजनैतिक लिहाज से खास मायने लेकर आया है। उप्र समेत पांच राज्यों में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा किसी भी तरह सत्ता में आने की कोशिशों में लगी है। विशेषकर उप्र में उसकी साख दांव पर लगी है। क्योंकि पिछले पांच सालों के कार्यकाल के बाद अब योगी सरकार के लिए कई चुनौतियां खड़ी हैं। महंगाई, बेरोजगारी, दलित-महिला-अल्पसंख्यक उत्पीड़न के साथ-साथ कोरोना काल का कुप्रबंधन सरकार से लोगों की नाराजगी का प्रमुख कारण है। और इन सबसे ऊपर एक साल से चल रहे किसान आंदोलन से भाजपा की जमीन खिसकती दिखाई दे रही है।

भाजपा को अपनी हालत का अंदाज होने लगा है, इस वजह से ही पिछले 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीवी पर आकर कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान कर दिया और उसके बाद इसकी संसदीय प्रक्रिया शुरु हुई। यानी प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद केबिनेट बैठक में कृषि कानून रद्द करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई और अब सोमवार को शुरु हो रहे सत्र में तीनों कृषि कानूनों की वापसी से जुड़े विधेयक- %कृषि कानून निरसन विधेयक, 2021% को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सदन में पेश करेंगे।

सरकार की मंशा सोमवार को ही इस विधेयक पर चर्चा कराकर इसे सदन से पारित करवाने की भी है। लोकसभा से पारित हो जाने के बाद यह विधेयक मंजूरी के लिए राज्य सभा में पेश किया जाएगा। दोनों सदनों की मंजूरी मिलने के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह काम किस तारीख तक पूरा होगा, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन भविष्य में

जब भी

कृषि कानूनों की वापसी पर बात होगी, तो 19 नवंबर को ही याद किया जाएगा, क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने इस तारीख को कानून वापसी की घोषणा की थी।

लोकतंत्र में इस किस्म का व्यक्तिवाद हावी नहीं होना चाहिए। लेकिन इस वक्त देश का सच यही है। अभी पूरी तरह से व्यक्ति केन्द्रित राजनीति और सत्ता चल रही है, जिसमें प्रधानमंत्री हर महीने मन की बात सात सालों से बदस्तूर करते आ रहे हैं। मगर अब प्रधानमंत्री खुद वंशवाद का नाम लेकर लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हैं। 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए उन दलों की आलोचना की, जो किसी एक परिवार के प्रभाव में हैं। और ऐसा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी फिर इस बात को नजरंदाज कर गए कि उनके अपने दल भाजपा में कई ऐसे नेता हैं, जिनके परिजनों को उनके कारण आगे बढ़ने का, लाभ के पद पाने का मौका मिला है।

जब आप एक ऊंगली किसी पर उठाते हैं, तो बाकी की तीन ऊंगली आपकी ओर उठती है, इस बात को हमेशा याद रखना चाहिए। वंशवाद की राजनीति तानाशाही में खतरनाक होती है, लोकतंत्र में तो जनता के पास यह अधिकार रहता है कि वह जिसे चाहे जिताकर अपना प्रतिनिधित्व करने सदन में भेजे और जिसे चाहे हराकर घर बैठा दे। भाई-भतीजावाद पार्टी के भीतर चल सकता है, लेकिन सदन तक यह वंशवाद लोकतंत्र की परीक्षा पार कर के ही पहुंचता है। इसलिए लोकतंत्र और संविधान को खतरा वंशवाद से नहीं है, बल्कि बहुमत के घमंड और मनमाने फैसले लेने से है। इस बात के उदाहरण पिछले सात सालों में देश में कई बार देखे गए हैं। नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन और कृषि कानून पारित करवाने जैसे फैसलों से लोकतंत्र आहत हुआ है, क्योंकि इनमें जनता के व्यापक हितों पर पर्याप्त विचार-विमर्श के बिना ही फैसलों को थोप दिया गया। संसद के भीतर इन पर अन्य दलों के सांसदों के साथ चर्चा नहीं की गई। और बाद में जब फैसलों का गलत असर दिखने लगा, तब भी सरकार अपनी गलती मानने तैयार नहीं हुई, बल्कि खुद को सही ठहराने के तमाम तर्क गढ़े जाने लगे। संविधान को सबसे अधिक नुकसान राजधर्म की इस तरह अवहेलना से ही होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगर सचमुच संविधान दिवस मनाना चाहते हैं तो उसके लिए महज 26 नवंबर ही नहीं, हर दिन संविधान के सम्मान को सर्वोपरि रखना होगा। अगर वो ऐसा करेंगे तो आईंदा कृषि कानून पारित करने जैसी मनमानी नहीं दिखाई जाएगी। मगर ऐसा होना फिलहाल कठिन लग रहा है।

सोमवार से शुरु होने वाले शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। लेकिन इस बैठक में प्रधानमंत्री नहीं पहुंचे। यह संसदीय परिपाटी के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। इस सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने कृषि कानून, एमएसपी की गारंटी, महंगाई, ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, कोरोना जैसे कई मुद्दों को उठाया। अगर प्रधानमंत्री बैठक में होते तो विपक्ष को यह आश्वस्ति मिलती कि सत्र के दौरान सरकार इन मुद्दों पर विपक्ष के विचार सुनकर ही कोई फैसले लेगी। मगर प्रधानमंत्री मोदी ने अभी से अपने अड़ियल रवैये की झलक दिखला दी है कि आगामी दिनों में सदन के भीतर विपक्ष चाहे जो कहे, वो वही फैसले लेंगे जिनसे उनकी पार्टी का चुनावी हित सधेगा। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए बड़ी बातें करना आसान है, लेकिन उन्हें व्यवहार में उतारने के लिए जिस उदारता और खुलेपन की जरूरत है, उसकी घोर कमी मौजूदा सरकार में दिखाई देती है।

भू-सीमा गतिविधियों पर चीन के नए कानून के भारत के लिए गंभीर निहितार्थ

कानून कहता है कि राज्य सीमा रक्षा को मजबूत करने, आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में खुलने, ऐसे क्षेत्रों में सार्वजनिक सेवाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार करने, लोगों के जीवन को प्रोत्साहित करने और समर्थन करने और वहां काम करने के लिए उपाय करेगा, और बढ़ावा देगा। चीनी समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि सीमा रक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक विकास के बीच समन्वय के लिए ऐसा किया जा रहा है। 2022 में भारत चीन के साथ लगी अपनी वास्तविक सीमा पर गंभीर घुसपैठ और घटनाओं की आशंका कर सकता है। चीनियों ने अभी-अभी एकतरफा एक नया कानून पारित किया है जो चीनी राज्य को अपनी भूमि सीमाओं के साथ कई तरह की गतिविधियां करने का अधिकार देता है, जिसका संक्षेप में मतलब है कि चीन बसने वालों को सीमावर्ती क्षेत्रों में बसा सकता है। भारत ने इस एकतरफा कदम का औपचारिक रूप से विरोध किया है। कानून कहता है कि राज्य सीमा रक्षा को मजबूत करने, आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में खुलने, ऐसे क्षेत्रों में सार्वजनिक सेवाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार करने, लोगों के जीवन को प्रोत्साहित करने और समर्थन करने और वहां काम करने के लिए उपाय करेगा, और बढ़ावा देगा। चीनी समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि सीमा रक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक विकास के बीच समन्वय के लिए ऐसा किया जा रहा है।

ये बस्तियां उन सभी विवादित क्षेत्रों में भी स्थापित की जा सकती हैं जहां चीन के पड़ोसी देशों के साथ मौजूदा समझौते नहीं हैं। यह ध्यान दिया जा सकता है कि दोनों देशों के बीच की पूरी सीमा वस्तुत- विवादित बनी हुई है और द्विपक्षीय रूप से स्वीकृत सीमांकन रेखाएं खींची जानी बाकी हैं। इसलिए कानून उन सभी कार्यों के लिए द्वार खोलता है जिन्हें चीनी अधिकारी उद्देश्यों और गतिविधियों के व्यापक दायरे के लिए उपयुक्त समझते हैं। इस तरह के एकतरफा प्रावधान सभी स्वीकृत राजनयिक प्रथाओं का उल्लंघन में है और एक उत्तेजक कार्रवाई हैं। 1भारत चीन सीमावर्ती क्षेत्र भूमि की प्रकृति के कारण दुर्गम और कम आबादी वाले हैं। चीनी नीतियां हान आबादी वाले केंद्रीय क्षेत्रों से लोगों को लाने और उन्हें उन क्षेत्रों में फिर से बसाने की हैं जिन पर वे मजबूती से नियंत्रण करना चाहते हैं। वे झिंजियांग में इस रणनीति का पालन कर रहे हैं, जहां बहुसंख्यक उइगर आबादी को अल्पसंख्यक बना दिया जा रहा है। चीनियों ने तिब्बत में उसी रणनीति का पालन किया है जहां हान आबादी स्थानीय तिब्बतियों से आगे निकलने के लिए तैयार है। चीनी इन सुदूर क्षेत्रों पर अतिक्रमण करने और अपनी भूमि की सीमाओं को बाहर की ओर धकेलने के लिए नए और नए बहाने खोज रहे हैं। 1नया कानून पिछले शनिवार को पारित किया गया था और भारत ने कानून के प्रावधानों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, इस डर से कि इन उद्देश्यों का पीछा करने से भारत-चीन सीमा क्षेत्र पूरी तरह से बदल सकते हैं और एलएसी को परेशान कर सकते हैं। चीन सीमा पर तथाकथित शांति बनाए रखने के लिए सभी स्थापित प्रथाओं की अवहेलना करते हुए एकतरफा कार्रवाई के इस तरह के रवैये को क्यों अपना रहा है? जाहिर है कि चीनियों को बार-बार उलटफेर करने का शौक है। चीन पड़ोसी देशों के साथ अपने व्यवहार में तेजी से आक्रामक रुख अपना रहा है। यह युद्ध के लगातार परिष्कृत और शक्तिशाली हथियारों के अधिग्रहण के साथ, अपनी रक्षा क्षमताओं के बारे में एक नया आत्मविश्वास महसूस कर रहा है और व्यक्त भी कर रहा है। अभी हाल ही में, चीन ने कुछ हाइपरसोनिक मिसाइलों और ग्लाइड वाहनों का परीक्षण किया है ताकि परमाणु हथियारों से लैस शस्त्रागार ले जाया जा सकें। ये वास्तव में बेहद शक्तिशाली हथियार हैं जो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के लिए निगरानी रडार प्राप्त कर सकते हैं। ये हाइपरसोनिक मिसाइल वाहन अमेरिकी मिसाइल ढालों को भी भेद सकते हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीनी मांसपेशियों के लचीलेपन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एक सर्वोच्च रैंकिंग अमेरिकी सैनिक ने इस घटना को चीन के लिए स्पुतनिक प्लस के रूप में वर्णित किया है। भारत को चीन के साथ अपनी सीमाओं पर उच्च प्रौद्योगिकी युद्ध और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए तैयार रहना होगा। चीन के सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन के नए अहंकार का स्रोत हैं। शी चीनी राज्य में जीवन के हर क्षेत्र में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। शी तीसरे कार्यकाल के लिए सर्वोच्च नेता के रूप में बने रहने के लिए तैयार हैं। अगले साल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस द्वारा इस निर्णय का समर्थन किया जाएगा। चीन ने ताइवान के संकरे जलडमरूमध्य में अपनी शक्ति का एक बड़ा प्रदर्शन किया है, जिससे द्वीप राष्ट्र को सैन्य आक्रमण की धमकी दी गई है। चीन दक्षिण चीन सागर के बड़े क्षेत्रों में समान रूप से मुखर है, और कई तटवर्ती राज्यों के क्षेत्रीय जल पर भी संप्रभुता का दावा करता है। शी जिनपिंग यह प्रदर्शित करने की कोशिश कर रहे हैं कि वह मजबूत व्यक्ति हैं जो चीन को विश्व स्तर पर अमेरिका की लीग में एक महाशक्ति के रूप में ले जा रहे हैं। शी चीन में अति राष्ट्रवाद को भड़का रहे हैं जहां लोग दुनिया में देश के लिए एक विशेष दर्जे की मांग कर रहे हैं। घरेलू स्थिति को संभालने और आंतरिक शक्ति पर पूरी पकड़ रखने के लिए शी की हताशा का एक उदाहरण यह है कि वह सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक सम्मेलनों में व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं ले रहे हैं।

खुद की कमजोरियों को अपनी नकारात्मक राजनीति से ढकने की कोशिश में विपक्ष

संसद के प्रत्येक सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाया जाना एक पुरानी परंपरा है। इस परंपरा का निर्वाह भले हो रहा हो, लेकिन वह अपना प्रभाव नहीं छोड़ पा रही है। इसका प्रमुख कारण यही है कि इन बैठकों से संदेश कुछ निकलता है और सदनों में होता कुछ और है। इस तरह की बैठकों में जब सत्ता पक्ष विपक्ष से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताता है तो वह उसे पूरा करने की सहमति तो व्यक्त करता है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। संसद के शीतकालीन सत्र में ऐसा ही हो तो हैरानी नहीं। इस सत्र में हंगामा होने के आसार हैं, क्योंकि एक तो पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव करीब आ गए हैं और दूसरे विपक्ष खुद की कमजोरियों को अपनी नकारात्मक राजनीति से ढकने की कोशिश कर रहा है। विपक्षी दलों को यह रास नहीं आ रहा है कि तमाम चुनौतियों के बीच मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल का आधा समय सफलतापूर्वक पूरा करने जा रही है। विपक्ष सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताने के साथ किस तरह अलोकतांत्रिक साबित करने पर भी तुला है, इसका प्रमाण है अधिकांश विपक्षी दलों की ओर से संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का बहिष्कार किया जाना। विपक्षी दलों का ऐसा ही नकारात्मक व्यवहार संसद में भी नजर आए तो आश्चर्य नहीं। ऐसी नकारात्मक राजनीति किस तरह देश हितों पर भारी पड़ती है, इसका उदाहरण है कृषि कानूनों की वापसी। खेती और किसानों के लिए उपयोगी साबित होने वाले इन कानूनों को वापस लिया जाना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ही है। कायदे से विपक्ष को इस पर आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या कृषि कानूनों की वापसी आवश्यक थी? क्या इन कानूनों की वापसी से वास्तव में किसानों का हित होने जा रहा है? यह तय है कि न तो विपक्ष इन प्रश्नों पर विचार करने जा रहा है और न ही वे किसान संगठन जो अभी भी धरने पर बैठे हैं।

इसके भरे-पूरे आसार हैं कि संसद के इस सत्र में न्यूनतम समर्थन

अपनी ही काली-घनेरी जुल्फों पर दिल हार बैठेंगे आप, बस इन 5 गलतियों से बचें

-जरूरी थोड़े ही है कि काले और घने बाल पाने के लिए आपको हर दिन हेयर मास्क लगाना पड़े और तरह-तरह के घोल तैयार करने की झंझट पालनी पड़े। हर काम को करने का एक आसान तरीका भी होता है, ठीक इसी तरह काली घनेरी जुल्फें पाने का भी एक स्मार्ट तरीका है...सर्दी के मौसम में बालों को सुंदर बनाए रखने के लिए सबसे पहली और जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बालों को सुखाए बिना घर से बाहर ना जाएं। खासतौर पर यदि बाहर ठंडी हवा चल रही हो। क्योंकि यह हवा आपके बालों में ब्रेकेज का कारण बनती है और उनके रंग को भी फेड करती है। तो पहला हेयर केयर मंत्रा यही है...

सिर्फ 10 मिनट का काम

-बालों को काला और घना बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी काम है उनमें नमी बनाए रखना। इसके लिए आपको सिर्फ 10 मिनट चाहिए। जो भी तेल आपके बालों को सूट करता हो, उसे एक कटोरी में लें और अपने बालों की जड़ों यानी स्कैल्प पर हल्के हाथों से मसाज कर लें।

-अगर बालों की जड़ों में नमी की कमी होती है तो बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। इससे बालों का प्राकृतिक रंग भी फीका पड़ने लगता है और बालों का झड़ना भी बढ़ जाता है। हालांकि एक दिन में 60 से 70 बाल गिरना सामान्य माना जाता है। लेकिन इससे ज्यादा बाल गिरना चिंता का विषय है। यानी बालों को रूखा रखने की गलती नहीं करनी है।

इस तरह घने बनेंगे आपके बाल

- रात में सिर्फ 10 मिनट की मसाज और अगली सुबह शैंपू। अगर आप हर दिन सिर्फ यही रूटीन अपना सकें तो भी अपने बालों को सुंदर, घना और चमकदार बना सकते हैं। इस प्रक्रिया से आपके बालों का झड़ना तो कम होगा ही साथ ही आपके सिर पर नए बाल उगने भी शुरू हो जाएंगे।

-सर्दी के मौसम में हॉट ऑइल मसाज बहुत अधिक प्रभावी होती है। यह आपके सिर की त्वचा को स्मूद बनाने का काम करती है, नमी को त्वचा में ब्लॉक करती है और हॉट ऑइल मसाज से सिर की त्वचा में रक्त का प्रवाह भी बढ़ता है।

बहुत अधिक शैंपू का उपयोग ना करें

-अगर आप अपने बालों में हर दिन ऑइलिंग नहीं करते हैं या रुटीन के हिसाब से ऑइलिंग नहीं कर पाते हैं तो बालों में रोज शैंपू लगाना बंद करें। इससे आपके बाल हर वॉश के साथ कमजोर बनते जाते हैं। क्योंकि उनकी प्राकृतिक नमी शैंपू निकाल देता है।

-इसलिए अगर आप हर दिन शैंपू करना चाहते हैं तो रात को सोने से पहले ऑइलिंग करना बिल्कुल ना भूलें। सिर में ड्राईनेस और इरिटेशन होने की स्थिति में हर्बल शैंपू का उपयोग करें। आपको हार्ड शैंपू के उपयोग से बचना है।

सर्दियों में शैंपू के बाद जरूर करें ये काम

-सर्दी के मौसम में चाहे आप हर दिन शैंपू करें या अपने रुटीन के हिसाब से सप्ताह में दो या तीन बार। लेकिन हर वॉश के बाद अपने बालों में कंडीशनर का उपयोग जरूर करें। इससे आपके बालों पर शैंपू की ड्राईनेस का असर भी कम होगा।

-साथ ही मौसम की ठंडी हवा आपके बालों में रूखापन नहीं बढ़ा पाएगी। कंडीशनर चुनते समय इस बात का ध्यान रखें कि इसमें नैचरल ऑइल्स होने चाहिए। साथ ही इसका टैक्सचर क्रीमी, थिक और स्मूद होना चाहिए।

ब्लो ड्रायर के उपयोग से बचें

-जितना हो सके अधिक से अधिक बार अपने बालों पर ड्रायर का उपयोग करने से बचें। बल्कि इन्हें प्राकृतिक रूप से सूखने दें। यह नियम बना लें कि आप हेयर ड्रायर का उपयोग तभी करेंगे, जब कभी बहुत जरूरी होगा।

-ऐसा इसलिए क्योंकि हेयर ड्रायर के उपयोग से आपके बालों की जड़ों का नैचरल ऑइल और नमी उड़ जाते हैं। इससे बाल जड़ों से रुखे और बेजान हो जाते हैं। साथ ही ड्रायर की गर्म हवा से बालों की प्राकृतिक चमक को नुकसान पहुंचता है। यानी बालों को जल्दी सुखाने के चक्कर में उन्हें नुकसान पहुंचाने की गलती नहीं करनी है।

पेरिस की सबसे मशहूर सड़क 'चैंप्स एलिसीज' जल्द भव्य गार्डन में होगी तब्दील

पेरिस की सबसे मशहूर सड़क जल्द भव्य गार्डन में तब्दील होगी। फ्रांस सरकार ने 'चैंप्स एलिसीज' के मेकओवर के लिए 22.5 करोड़ यूरो (लगभग 1800 करोड़ रुपये) की योजना तैयार की है। इसके तहत एफिल टॉवर के आसपास के हिस्से को बड़े पार्क में बदला जाएगा। सड़क से गुजरने वाली कारों की संख्या भी आधी करने की योजना है।

पेरिस की मेयर एनी हिदाल्गो ने बताया कि आमतौर पर ट्रैफिक से पटा रहना वाला 'चैंप्स एलिसीज' जल्द 1.2 मील लंबे हरित गलियारे के रूप में नजर आएगा। इस पर पेड़ों से लैस सुरंगें, पार्क और पैदल मार्ग स्थापित करने की तैयारी है।

हिल्दागो के मुताबिक 'चैंप्स एलिसीज' का संपूर्ण मेकओवर तो साल 2030 में हो पाएगा। हालांकि, 2024 में पेरिस में प्रस्तावित ओलंपिक खेलों से पहले मशहूर 'प्लेस दि ला कॉनकॉर्ड' के सौंदर्यीकरण का काम जरूर पूरा कर लिया जाएगा।

'चैंप्स एलिसीज समिति' साल 2018 से ही क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की मांग कर रही है। उसका कहना है कि इतिहास में अहम स्थान रखने वाली यह सड़क वाहनों के अत्यधिक बोझ और बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते अपनी चमक खोती जा रही है। विदेशी पर्यटकों को छोड़ किसी में यहां घूमने-फिरने में कोई दिलचस्पी नहीं रह गई है।

तैयारी-

-फ्रांस सरकार ने 1800 करोड़ रुपये से अधिक की मेकओवर योजना तैयार की है।

-एफिल टॉवर के पास से गुजरने वाली सड़क पर कारों की संख्या भी आधी होगी।

लोकप्रियता का आलम-

-1667 में लुइस 14वें के मुख्य बागवान आंद्रे ली नॉत्रे ने 'तुलेरीज गार्डन' के विस्तार के रूप में 'चैंप्स एलिसीज' का निर्माण किया था।

-01 लाख से ज्यादा पैदलयात्रियों को औसतन रोजाना आकर्षित करती थी। यह सड़क कोरोनाकाल से पहले, इनमें 72 फीसदी पर्यटक शामिल थे।

-08 लेन की इस सड़क से प्रति घंटे औसतन तीन हजार वाहन गुजरते हैं, पेरिस के इर्दगिर्द मौजूद रिंगरोड से कहीं ज्यादा वायु प्रदूषण है।

जश्न की गवाह-

-1944 में पेरिस ने नाजी साम्राज्य से आजादी का जश्न 'चैंप्स एलिसीज' पर मनाया था।

-1998 और 2018 के फुटबॉल विश्वकप में मिली जीत की खुशी भी इसी सड़क पर मनाई गई।

इम्यूनिटी बढ़ाने के चक्कर में कहीं जरूरत से ज्यादा तो नहीं ले रहे विटामिन-सी हो सकते हैं ये खतरे

विटामिन सी से भरपूर आहार इम्यूनिटी बढ़ाने में जादुई असर कर सकता है। हालांकि, बहुत कम लोगों को पता है कि विटामिन सी के बहुत ज्यादा इस्तेमाल का नतीजा उल्टा भी हो सकता है। कोरोना काल में गूगल पर लोगों ने इम्युनिटी बढ़ाने को लेकर काफी खोजबीन की है। Immunity 2020 का सबसे अधिक खोजा जाने वाला कीवर्ड बना।

कोरोना वायरस ने हर किसी को अपनी सेहत पर खास ध्यान देने और किसी भी बीमारी को हल्के में न लेने को लेकर सावधान किया है। भले ही कोविड-19 की रोकथाम के लिए भारत सहित तमाम देशों ने कोविड-19 वैक्सीन विकसित कर हो लेकिन इसे जड़ से उखाड़ फेकने में अभी लंबा वक्त लगेगा। 2 साल या इससे भी अधिक समय इसे हराने में लग जाए लिहाजा ऐसे में हर कोई अपनी इम्युनिटी बढ़ाने के लिए कई तरीके अपना रहा है। महामारी में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए हमें खानपान और सप्लीमेंट्स के प्रति जागरूक कर दिया है।

इन दिनों अधिकर लोगों ने उन खाद्य पदार्थों का सेवन करना शुरू कर दिया है जिनसे इम्युनिटी बूस्ट होती है। विटामिन सी से भरपूर आहार इम्यूनिटी बढ़ाने में जादुई असर कर सकता है। हालांकि, बहुत कम लोगों को पता है कि विटामिन सी के बहुत ज्यादा इस्तेमाल का नतीजा उल्टा भी हो सकता है। अगर आप इसके साइड-इफेक्ट्स से वाकिफ नहीं हैं, तो आपको ये आर्टिकल पढ़ना जरूरी है।

सेहतमंद आहार के इस्तेमाल करते वक्त लोग अक्सर इस बात को भूल जाते हैं किसी भी चीज की अति बुरी होती है। ये कहावत कोविड-19 के बीच इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी का प्रयोग करने वालों के लिए बिलकुल सटीक बैठती है। विटामिन सी अत्यधिक इस्तेमाल आपके शरीर में कई समस्याओं को जन्म दे सकता है और स्किन में ऐलर्जी भी पैदा कर सकता है। इसलिए आपको इसके डोज की मात्रा के बारे में जानना जरूरी है।

अभी तक के रिसर्च के मुताबिक, रोजाना विटामिन सी का इस्तेमाल 65-90 मिलीग्राम लेने की सलाह दी जाती है। शरीर के लिए जरूरी विटामिन सी की ऊपरी सीमा 2000 मिलीग्राम हर दिन होती है। वहीं आहार की मात्रा में विटामिन सी की बात करें तो एक संतरे में करीब 51 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। इस तरह, दो संतरे रोजाना खाना विटामिन सी की रोजाना जरूरी खुराक के लिए काफी होता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, आप हर रोज ज्यादा से ज्यादा 2000 मिलीग्राम तक विटामिन सी को कंज्यूम कर सकते हैं। इससे अधिक विटामिन सी की खुराक आपके लिए हानिकारक हो सकती है। विटामिन सी के ओवरडोज लेने पर शरीर में ये इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

डायरिया
उल्टी
पेट में जलन
मतली
पेट में ऐंठन
इंसोम्निया (अनिद्रा
सिर का दर्द

चुटकियों में गायब हो जाएगी चेहरे की डलनेस, इन 5 में से कोई एक चीज खा लीजिए

चुटकियों में चेहरा चमकाना हो तो यहां बताई जा रही पांच चीजों में से कोई भी एक खा लीजिए। चेहरे पर ताजगी दिखने लगेगी। ऐसा क्यों होता है, यह भी यहां बताया गया है...दिनभर की थकान, ऊब और स्ट्रेस के कारण चेहरे की त्वचा अपना चार्म खो देती है और आप डल नजर आने लगते हैं। अगर आप इस डलनेस को चुटकियों में दूर करना चाहते हैं तो आपको कोई ब्यूटी प्रॉडक्ट यूज करने की जरूरत नहीं है। बस आप यहां बताई गई इन 5 चीजों में से किसी एक का सेवन कर लीजिए, चेहरा खिल उठेगा...

बस एक चीकू ही काफी है

-चीकू का स्वाद हम सभी को पसंद होता है। जब भी आप बहुत अधिक थका हुआ अनुभव करें और अपने चेहरे पर एकदम फ्रेश ग्लो लाना चाहे तो एक चीकू खा लीजिए। फिर देखिए आपकी थकान कैसे जादू से गायब हो जाएगी और चेहरे की त्वचा में नई जान आ जाएगी।

-दरअसल, चीकू में विटमिन-ए, विटमिन-बी और नैचरल ग्लूकोज होता है। विटमिन-ए आपकी आंखों की थकान तो तुरंत दूर करता है। तो विटमिन-बी रिलैक्सेशन बढ़ाने का काम करता है और ग्लूकोज आपके शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। इन सभी का असर होता है कि आपकी थकान उतर जाती है और चेहरा चमकने लगता।

थोड़ी-सी आइस-क्रीम

-आइसक्रीम खाना किसे पसंद नहीं...यानी हम सभी आइसक्रीम बहुत शौक के साथ खाते हैं। जब भी कभी आप तनाव में हों तो अपनी पसंद के फ्लेवर की एक आइसक्रीम खा लीजिए। आपका चेहरा खिल उठेगा। क्योंकि आइसक्रीम खाने से ना सिर्फ त्वचा की कोशिकाओं को रिलैक्शेसन मिलता है बल्कि यह एक अच्छा मूड बूस्टर भी है।

-आइक्रीम में विटमिन-ए और विटमिन-के पाए जाते हैं। विटमिन-ए आंखों की मसल्स को शांत करता है तो विटमिन-के ब्लड को पतला कर फ्लो बढ़ाता है। इसके साथ ही इसमें कैल्शियम और फास्फोरस होते हैं, जो आपके शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं। फिर देर किस बात की है, तुरंत अपना पसंदीदा फ्लेवर लीजिए और चेहरे से तनाव को उतार फेंकिए...।

कुछ पाइनऐपल स्लाइस

-पाइनऐपल की खुशबू ही इतनी

रिफ्रेशिंग होती है कि आधी थकान तो इसी से मिट जाती है। बाकी का बचा हुआ तनाव इसकी एक बाइट ही दूर कर देती है। पाइनऐपल में विटमिन-ए, विटमिन-सी, कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीज और पोटैशियम जैसे गुण होते हैं।

-यही वजह है कि अनानास यानी पाइनऐपल की एक स्लाइस खाते ही दिल और दिमाग दोनों खुश हो जाते हैं। साथ में आपकी त्वचा एकदम रिफ्रेश हो जाती है। क्योंकि पाइनऐपल के गुण आपकी नसों को शांत करते ब्लड और ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ा देते हैं। जिससे चेहरा खिला-खिला दिखने लगता है।

सम चॉकलेट बाइट्स

-यह सही है कि चॉकलेट आपका फैट बढ़ा सकता है। लेकिन सीमित मात्रा में खाया जाए तो कोई चीज नुकसान नहीं करती, चॉकलेट भी नहीं। बल्कि बहुत अधिक थका हुआ होने पर आप चॉकलेट का सेवन करते हैं तो यह आपका मूड बूस्ट करके चेहरे की मुस्कान वापस लाने का काम जरूर करती है।

-चॉकलेट को बनाने में कोकोआ, दूध और चीनी का उपयोग किया जाता है। कोकोआ का उपयोग सौंदर्य बढ़ाने के लिए कई सदियों से होता आ रहा है। जब आप चॉकलेट खाते हैं तो कोकोआ आपके ब्रेन की नर्व्स को रिलैक्स करने का काम करता है। वहीं, दूध आपकी त्वचा को पोषण देता और चीनी ग्लूकोज के रूप में शरीर को ऊर्जा देना काम करती है।

सिर्फ एक संतरा

-संतरे की खुशबू और इसका स्वाद दोनों ही थकान उतारने का काम करते हैं। जब भी तुरंत मूड फ्रेश करना हो और त्वचा को ग्लोइंग दिखाना हो तो एक संतरा खा लीजिए। बाकी इसके बचे हुए छिलको को तुरंत फेस पर रगड़कर चेहरा धो लीजिए।

-आपके चेहरे पर ऐसी फ्रेशनेस आएगी कि कोई कह भी नहीं पाएगा कि कुछ देर पहले आप थके हुए, तनावग्रस्त और बोझिल दिख रहे थे। संतरे में विटमिन-ए, बी, सी, ऐंटिऑक्सीडेंट्स, पोटैशियम, फास्फोरस और कोलिन जैसे लाभकारी तत्व पाए जाते हैं। जो शरीर के अंदर तुरंत ऊर्जा का संचार करते हैं।

अभी पता नहीं ओमिक्रॉन कितना खतरनाक : अमेरिका बोला-

नए वैरिएंट पर जानकारी जुटाने में दो हफ्ते लगेंगे, पर बूस्टर शॉट जरूरी है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. एंथोनी फॉसी ने बताया है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट कितना संक्रामक है, कितना गंभीर है और इसकी क्या अन्य विशेषताएं हैं, यह जानने के लिए दो हफ्ते का समय लगेगा। डॉ. फॉसी ओमिक्रॉन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को अपडेट करने के दौरान यह जानकारी दी। बैठक में फॉसी ने कहा कि मौजूदा वैक्सीन से ही कोरोना के गंभीर मामलों में काफी हद तक सुरक्षा मिल सकती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिन लोगों को वैक्सीन के दोनों डोज लगे हैं उनको अगर बूस्टर डोज लगें तो यह कोरोना के खिलाफ सबसे बेहतर सुरक्षा होगी।

जिन लोगों को दोनों डोज लगे हैं, उन्हें बूस्टर डोज दें तो यह कोरोना से सबसे बेहतर सुरक्षा होगी।

डॉ. एंथोनी फॉसी, अमेरिका के चीफ मेडिकल ऑफिसर

जल्द से जल्द लगवाएं बूस्टर शॉट

कोविड रिस्पॉन्स टीम ने भी यही सुझाव दिया है कि सभी वैक्सीनेटेड लोगों को जल्दी से जल्दी बूस्टर शॉट लगा दिया जाए। जानकारी के मुताबिक, 6 महीने पहले फाइजर और मॉर्डना की वैक्सीन लगवाने वाले या दो महीने पहले जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन डोज लेने वाले सभी वयस्क बूस्टर डोज ले सकते हैं।

आज अमेरिका लगा सकता अफ्रीकी देशों पर ट्रैवल बैन

ओमिक्रॉन से बचाव के लिए अमेरिका ने कमर कस ली है। अमेरिका ने इस वायरस से बचाव के लिए अफ्रीकी देशों से किसी भी तरह के ट्रैवल पर बैन लगाने की तैयारी कर ली है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के एडमिनिस्ट्रेशन के सूत्रों ने बताया कि इसकी घोषणा सोमवार को कर दी जाएगी।

यूरोप में अफ्रीका से 86 गुना नए मरीज मिल रहे, मौतें भी ज्यादा

दुनिया की 17 फीसदी आबादी वाले अफ्रीका के 54 देशों में रोज सिर्फ 4,200 मरीज मिल रहे हैं, जो यूरोप से 86 गुना कम हैं। अफ्रीका में रोज होने वाली मौतें भी 150 से कम हैं। यूरोप से तुलना करें तो यह आंकड़ा 26 गुना कम हैं। भरोसा जगाने वाली बात यह है कि अफ्रीका में रोजाना केस और मौतें, दोनों ही दो महीने से लगातार घट रही हैं। दूसरी ओर दुनिया की 10त्न आबादी वाले यूरोप के 45 देशों में रोज 3.63 लाख मरीज मिल रहे हैं। रोज 3,880 से ज्यादा मौतें हो रही हैं। ओमिक्रॉन को लेकर आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इमरजेंसी बैठक की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निगरानी के साथ ही जोखिम वाले देशों से आने वाले लोगों के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था तैयार करने को कहा।

नए साल की पहली विदेश यात्रा

अगले साल जनवरी में यूएई जा सकते हैं मोदी दुबई एक्सपो में इंडियन पवैलियन भी जाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले साल यानी 2022 के पहले महीने में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर जा सकते हैं। नए साल में प्रधानमंत्री की यह पहली विदेश यात्रा होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूएई में मोदी दुबई एक्सपो देखने भी जा सकते हैं। यहां चार मंजिला इंडियन पवैलियन भी बनाया गया है। इसके अलावा वे यूएई की टॉप लीडरशिप से भी मुलाकात कर सकते हैं।

2015
आपसी सहयोग के समझौते
2018
भारतीयों को विशेष वीजा सुविधा
2019
मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान

भारतीय पवैलियन की तरफ लोगों का रुझान

भारत की आजादी की 75वीं सालगिरह के मौके पर दुबई एक्सपो में इंडियन पवैलियन को बेहतरीन तरीके से सजाया गया है। अब तक 4 लाख लोग इसे देख चुके हैं। शुक्रवार को ही करीब 8 हजार लोग इसे देखने पहुंचे। चार मंजिला पवैलियन में कई कम्पार्टमेंट बनाए गए हैं। इसे दो हिस्सों में बांटा गया है। पवैलियन में कई सेक्शन हैं। इनमें क्लाइमेट एंड बायोडायवर्सिटी, स्पेस, अर्बन एंड रूरल डेवलपमेंट, गोल्डन जुबली, नॉलेज एंड लर्निंग, ट्रैवल एंड कनेक्टिविटी, हेल्थ, फूड, एग्रीकल्चर और वॉटर जैसे 11 जोन शामिल हैं।

जयशंकर भी गए थे

इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएई का दौरा किया था। विदेश मंत्री भी दुबई एक्सपो गए थे और बाद में उन्होंने यूएई के तमाम बड़े नेताओं से मुलाकात की थी। यूएई कश्मीर में भी अहम प्रोजेक्ट लगाने जा रहा है। दोनों देशों के बीच आपसी कारोबार करीब 60 अरब डॉलर है। प्रधानमंत्री ने दो कार्यकाल में तीन बार यूएई की यात्रा की है। पहले कार्यकाल में वो अगस्त 2015 में यहां आए थे। इसके बाद 2018 और 2019 में उन्होंने यूएई का दौरा किया था। यूएई सरकार ने मोदी के देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जाएद' से नवाजा था।

अमेरिका में बेगुनाह को मिला न्याय:बगैर जुर्म 43 साल जेल में रहे केविन, बरी होने पर 20 हजार लोगों ने जुटाए 11 करोड़, ताकि जिंदगी दोबारा शुरू कर सकें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका में बेगुनाह को मिला न्यायबगैर जुर्म 43 साल जेल में रहे केविन, बरी होने पर 20 हजार लोगों ने जुटाए 11 करोड़, ताकि जिंदगी दोबारा शुरू कर सकें देर से ही सही, आखिर न्याय मिला। अमेरिका में मिसौरी की जेल में बंद केविन स्ट्रिकलैंड बीते हफ्ते बरी हो गए। उन्हें उन तीन लोगों की हत्या के जुर्म के लिए सजा सुनाई गई थी, जो उन्होंने की ही नहीं थी। बगैर अपराध के ही उनका 40 साल से ज्यादा समय जेल में गुजर गया। अब जब वह

आजाद हुए तो अनजान लोगों ने उनकी आर्थिक मदद के लिए ऑनलाइन अभियान चलाया है, ताकि वह समाज में दोबारा सम्मानपूर्वक अपनी जिंदगी बसर कर सकें। यह मुहिम रंग भी ला रही है। करीब 20 हजार लोग उनके लिए अब तक 14.5 लाख डॉलर (करीब 10.7 करोड़ रुपए) जुटा चुके हैं। मिसौरी की अपीलीय अदालत ने बीते हफ्ते रिहाई का आदेश दिया। अदालत ने पाया कि स्ट्रिकलैंड को दोषी ठहराने के लिए सबूत नाकाफी थे। फैसला बदल जाने के बावजूद केविन मुआवजे के हकदार नहीं हैं। वजह है कि राज्य गलत फैसले की वजह से कारावास की सजा भुगतने वाले केवल उन्हीं लोगों को भुगतान की अनुमति देता है, जिन्हें डीएनए साक्ष्य के माध्यम से दोषमुक्त किया गया हो। स्ट्रिकलैंड कहते आए हैं कि उनका 1978 में हुई उन हत्याओं से कोई लेना-देना नहीं था। घटना के वक्त वह घर पर टीवी देख रहे थे। गोलीबारी में बचने वाली मुख्य गवाह ने कई साल अपनी गवाही को टालने की कोशिश की। उसका कहना था कि पुलिस का दबाव डाल रही थी। स्ट्रिकलैंड ने बरी होने पर कहा कि वह 'ईश्वर के शुक्रगुजार हैं।' केविन के बरी होने पर चंदा जुटाने के लिए मिडवेस्ट इनोसेंस प्रोजेक्ट के रोजो बुशनेल ने अभियान चलाया है। उनका कहना है कि केविन के पास न तो बैंक खाता है, न फोन नंबर और न ही पहचान का कोई सरकारी दस्तावेज। फिलहाल वह अपने भाई के घर रह रहे हैं। उन्हें जल्द ही राशि मिल जाएगी।

फ्लैग ऑफिसर की कमान बदलने के अवसर पर कमांड सेरेमोनियल परेड के दौरान इनकमिंग फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एफओसी-इन-सी), वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह और आउटगोइंग एफओसी-इन-सी वेस्ट, वाइस एडमिरल आर हरि कुमार मुंबई में आईएनएस शिकारा में पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग-इन-चीफ।

न्यूज ब्रीफ

देश छोड़े बिना जापानी उठा रहे सैर का मजा

टोक्यो। पिछले लगभग दो साल से चल रहे कोरोना काल के जापानी पर्यटक विदेश यात्राओं पर नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में लगभग 30 साल पहले बने जर्मन, डच, ब्रिटिश और अमेरिकी शहरों वाले थीम पार्कों में अब रौनक लौटने लगी है। नागासाकी में बने डच शहर में ट्यूलिप के फूलों और वास्तुकला का नजारा दिखाई पड़ता है। लगभग 200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस डच थीम पार्क में पिछले दो साल से लाखों पर्यटक आ चुके हैं। हॉश टेन बॉश नाम का ये डच थीम पार्क जापान में बसा अकेला विदेशी शहर नहीं है। जापान के चीबा प्रांत में जर्मन शहर, माई प्रांत में स्पेनी शहर, फुकुशिमा प्रांत में ब्रिटिश शहर और ओकीनावा प्रांत में अमेरिकी शहरों के रेप्लिका बने हुए हैं। ये शहर उन जापानी पर्यटकों के लिए बिलकुल मुफीद हैं जो कि विदेश तो जाना चाहते हैं, लेकिन कोरोना काल और कम बजट के कारण जा नहीं पाते हैं। ऐसा ही एक थीम पार्क चलाने वाले नाउको कुरुसावा का कहना है कि यदि जापानी लोग विदेश नहीं जा सकते हैं तो फिर विदेशी शहर तो जापान आ सकते हैं। विदेशी शहरों के रेप्लिका में बच्चों के लिए प्लेइंग एरिया, गोल्फ कोर्स, बिग व्हील और संबंधित देशों की सब मशहूर चीजें बनाई गई हैं। कुरुसावा का कहना है कि इन थीम पार्कों में न केवल उस देश की मशहूर इमारतों को बनाया गया है, बल्कि साथ-साथ में वहां की संस्कृति की झलक भी दिखाई देती है। उस देश के खानपान को भी वहां पर परोसा जाता है। जापान में 90 के दशक में ये बबल इकोनॉमी के दौरान ये थीम पार्क बने थे। बबल इकोनॉमी यानी उस दौर में जापानी लोगों की आय बढ़ने के कारण विदेशों में घूमने की ललक बढ़ी थी। इसके बाद के दशकों में जापानी पर्यटक विदेशों में जाने लगे तो ये थीम पार्क सूने हो गए।

नई दिल्ली में शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए संसद पहुंचते ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मीडिया को संबोधित करते हुए।

मां तुझे सलाम:लेबर पेन के बावजूद साइकिल से अस्पताल पहुंचीं न्यूजीलैंड की सांसद, स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वेलिंगटन

न्यूजीलैंड की सांसद जूली ऐनी जेंटर इन दिनों चर्चा में हैं। इसकी वजह उनका साइकिल से अस्पताल पहुंचकर बच्चे को जन्म देना है। दरअसल, जूली को रविवार तड़के लेबर पेन हुआ। इसके बाद वह अपनी इलेक्ट्रिक साइकिल से अस्पताल के लिए निकल पड़ीं। वहां डॉक्टरों ने उनकी डिलीवरी कराई। जूली ने अपना यह अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने बच्चे के जन्म की कई तस्वीरें पोस्ट कर लिखा- बड़ी खबर! सुबह 3.04 बजे हमने परिवार के सबसे नए सदस्य का स्वागत किया। लेबर पेन के दौरान साइकिल चलाने की मेरी कोई योजना नहीं थी, लेकिन यह ऐसे ही होना था। जूली ने अपनी पोस्ट में लिखा कि रात में 2 बजे अस्पताल के लिए निकलने के दौरान मुझे ज्यादा दर्द नहीं हो रहा था। बाद में पेन बढ़ने की वजह से हमें अस्पताल जाने में 10 मिनट की देरी हुई। हमारे पास एक स्वस्थ और खुश बच्चा है, जो पिता की गोद में सो रहा है। जूली ने आरामदायक डिलीवरी के लिए अस्पताल के स्टाफ को धन्यवाद दिया।

ग्रीन MP के नाम से मशहूर हैं जूली

सांसद जूली ऐनी जेंटर को ग्रीन MP के नाम से भी जाना जाता है। वह पर्यावरण को लेकर अपने कैम्पेन की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। जूली के पास स और न्यूजीलैंड की दोहरी नागरिकता है। वह अमेरिका के मिनसोटा में जन्मी थीं, लेकिन 2006 में न्यूजीलैंड आ गईं। न्यूजीलैंड की मीडिया के मुताबिक जूली ने 2018 में भी इसी तरह साइकिल से अस्पताल पहुंचकर पहले बच्चे को जन्म दिया था। 50 लाख की आबादी वाला न्यूजीलैंड पहले से ही जमीन से जुड़े नेताओं के लिए जाना जाता है। यहां की PM जैसिंडा अर्डर्न ने 2018 में मैटरनिटी लीव ली थी। वह अपनी 3 महीने की बच्ची को लेकर यूनाइटेड नेशंस की मीटिंग में भी शामिल हुई थीं। मीटिंग के दौरान बच्चे को स्तनपान कराने की वजह से जैसिंडा चर्चा में आ गई थीं।

डेल्टा वैरिएंट के मुकाबले ओमिक्रॉनं कहीं ज्यादा म्यूटेशन, हालांकि यह इसके खतरनाक होने का सबूत नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की पहली तस्वीर सामने आई है। इटली के रिसर्चर्स ने इसका फोटोग्राफ तैयार किया है। इसे रोम के बैम्बिनो गेसू अस्पताल ने जारी किया है। मैप की तरह दिखने वाले इस थ्री-डायमेंशनल फोटो में डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट के बीच म्यूटेशन की तुलना की गई है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, रिसर्चर्स की टीम ने रविवार को बताया- फोटो में साफ देखा जा सकता है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट डेल्टा के मुकाबले कहीं ज्यादा म्यूटेशन दिखा रहा है। ज्यादातर म्यूटेशन स्पाइक प्रोटीन के उस एरिया के ऊपर मौजूद है, जो ह्यूमन सेल के साथ संपर्क करता है।

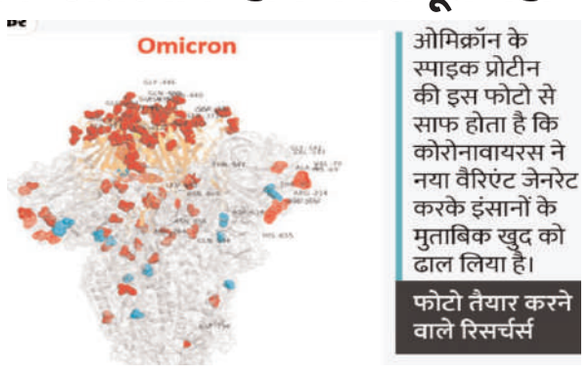

ओमिक्रॉन के स्पाइक प्रोटीन की इस फोटो से साफ होता है कि कोरोनावायरस ने नया वैरिएंट जेनरेट करके इंसानों के मुताबिक खुद को ढाल लिया है।

फोटो तैयार करने वाले रिसर्चर्स

क्या बताता है ओमिक्रॉन का थ्री डी फोटोग्राफ?

रिसर्चर्स आगे कहते हैं- इसका मतलब यह नहीं है कि यह ओमिक्रॉन वैरिएंट या कोरोना का यह म्यूटेट वैरिएशन ज्यादा खतरनाक हैं। फोटो से सिर्फ इतना साफ होता है कि वायरस ने नया वैरिएंट जेनरेट करके इंसानों के मुताबिक खुद को ढाल लिया है। आगे की रिसर्च के बाद यह साफ होगा कि वायरस में यह बदलाव कम खतरनाक है, ज्यादा खतरनाक है या इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

तस्वीर को समझने की कोशिश करते हैं-

तस्वीर में बाईं तरफ डेल्टा वैरिएंट का स्पाइक प्रोटीन और दाईं तरफ ओमिक्रॉन वैरिएंट का स्पाइक प्रोटीन है।
दोनों वैरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में अलग-अलग रंगों से म्यूटेशनल रेट दिखाया गया है। यानी कितनी तेजी से म्यूटेशन हो रहा है। म्यूटेशन यानी ह्यूमन सेल के मुताबिक खुद को ढालने की क्षमता। दोनों स्पाइक प्रोटीन में ऊपर की तरफ ऑरेंज रंग में जो हिस्सा दिखाया गया है उसे एक्टिव साइट कहते हैं। यह वो एरिया है जो ह्यूमन सेल के साथ इंटरैक्ट करता है।

आगे की स्टडी से पता चलेगा वैक्सीन पर इसका प्रभाव

एक रिसर्चर क्लॉडिया ऑल्टेरी ने बताया- रिसर्च टीम ने दोनों वैरिएंट के म्यूटेशन की तुलना करने के लिए उनके स्पाइक प्रोटीन के 3ष्ठ स्ट्रक्चर पर फोकस किया। यह तस्वीर बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले नए वैरिएंट के सीक्वेंस की स्टडी से तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि यह फोटो ओमिक्रॉन के म्यूटेशंस तो दिखाती है, लेकिन यह साफ नहीं कर पाती कि इसका रोल क्या है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी और अन्य ने नई दिल्ली में शीतकालीन सत्र से पहले संसद भवन में केंद्र के तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

न्यूज ब्रीफ

दिनेश शर्मा का क्लीन स्वीप ,बने एमपी मास्टर्स फेस्टिवल के ओवरऑल विजेता

भोपाल। चेसबेस इंडिया ट्रेनिंग अकादमी भोपाल द्वारा आयोजित एमपी मास्टर्स शतरंज फेस्टिवल मे क्लासिकल शतरंज के बाद खेल के फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ और रैपिड के भी अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग टूर्नामेंट खेले गए और एलआईसी के इंटरनेशनल मास्टर दिनेश शर्मा नें क्लासिकल के बाद रैपिड और ब्लिट्ज़ के खिताब भी अपने नाम करते हुए फेस्टिवल के पहले संसकरण का ओवरऑल खिताब भी अपने नाम कर लिया । सबसे पहले ब्लिट्ज़ का 12 राउंड का टूर्नामेंट खेला गया जिसमें हर खिलाड़ी को 3 कुल दिन मिनट और प्रति चाल 2 सेकंड का अतिरिक्त समय दिया गया जिसमें दिनेश शर्मा नें 8 जीत और 3 ड्रॉ से 9.5 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया जबकि 9 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर महाराष्ट्र के इंदरजीत महिंदर्कर दूसरे तो रेल्वे के इंटरनेशनल मास्टर विक्रमादित्य कुलकर्णी तीसरे स्थान पर रहे । 6 अंक बनाकर भोपाल के अश्विन डेनियल चौंथे ,5 अंक बनाकर सिद्धान्त गायकवाड पांचवें स्थान पर रहे ।

सात्विक-चिराग ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए किया क्वालीफाई

बाली। दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार से शुरू हो रहे सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में जगह बना ली है। सात्विक और चिराग इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो के भी सेमीफाइनल में हारने के बाद उन्होंने जगह बनाई। उन्होंने जापानी जोड़ी को 'रोड टू बाली रेस% में पछाड़ा। उन्हें कट में प्रवेश के लिये सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक जोड़ी मार्कस एफ गाइडोन और केविन एस को हराना था लेकिन वे 16.21, 18.21 से हार गए। अकिरा और ताइची भी जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हार गए जिससे भारतीय जोड़ी को जगह मिल गई। चिराग ने इंस्टाग्राम पर लिखी, 'हम पहली बार विश्व टूर फाइनल्स खेलेंगे। दुनिया की शीर्ष आठ जोड़ियों के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित हूं। सभी को सहयोग के लिये धन्यवाद। इससे पहले लक्ष्य सेन 15 लाख डॉलर ईनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे युवा भारतीय बन गए। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू, किदाम्बी श्रीकांत, महिला जोड़ी अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी भी भाग ले रहे हैं। सिंधू ने 2018 में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स जीता था जबकि साइना नेहवाल 2011 में खिताबी मुकाबले तक पहुंची थी। श्रीकांत और समीर वर्मा नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं।

पाकिस्तान के गेंदबाजी सलाहकार ने मैच के बीच में छोड़ा टीम का साथ, कोरोना की वजह से साउथ अफ्रीका लौटेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज़ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश दौरे पर है। दोनों के बीच चटगांव में टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस बीच पाकिस्तान के गेंदबाजी सलाहकार वर्नोन फिलेंडर मैच के बीच में ही टीम का साथ छोड़कर अपने घर साउथ अफ्रीका लौट रहे हैं। दरअसल, साउथ अफ्रीका में कोविड के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से दुनिया के अन्य देश फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। फिलेंडर अपने घर से दूर रहना नहीं चाहते। इसी वजह से वह सोमवार को पाकिस्तान टीम का साथ छोड़ देंगे। पाकिस्तान के एक पत्रकार ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी कि फिलेंडर की पहले योजना टेस्ट खत्म होने के बाद घर लौटने की थी, मगर यात्रा प्रतिबंध के चलते अब वो जल्दी टीम का साथ छोड़ेंगे।

बांग्लादेश ने पहली पारी में बनाई बढ़त

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच चल रहे टेस्ट मैच की बात करें तो बांग्लादेश ने पहली पारी में 330 रन बनाने के बाद पाकिस्तान को 286 रन पर रोक दिया और पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, तीसरी पारी में बांग्लादेश की टीम कुछ खास शुरुआत नहीं कर पाई और 39 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए।

नीदरलैंड के साथ रद्द की वनडे सीरीज

कोविड के नए वैरिएंट ने अफ्रीकन देशों में क्रिकेट को प्रभावित किया है। इस वायरस के कारण साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड्स के बीच वनडे सीरीज को रद्द कर दिया गया है। साथ ही महिला टी20 वर्ल्ड कप के क्वॉलिफाइंग को भी रद्द कर दिया गया है।

भारत का साउथ अफ्रीका दौरा भी संकट में

भारत के साउथ अफ्रीका दौरे पर भी संकट मंडरा रहा है। भारतीय ए टीम साउथ अफ्रीका में ही है और साउथ अफ्रीकी ए टीम के साथ चार दिवसीय मैच खेल रही है। जबकि, मुख्य टीम को अगले महीने साउथ अफ्रीका का दौरा करना है। टीम को 3 टेस्ट, 3 वनडे और 4 टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

अश्विन का एक और रिकॉर्ड

सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वालों की लिस्ट में हरभजन से आगे निकले

» कपिल देव से 16 विकेट दूर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आर अश्विन 418 विकेट लेकर टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने हरभजन सिंह (417) का रिकॉर्ड तोड़ा है। भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट अनिल कुंबले के नाम है। उन्होंने भारत के लिए 132 टेस्ट खेलकर 619 विकेट लिए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर भारत के पूर्व कप्तान और दिग्गज तेज गेंदबाज कपिल देव हैं। उन्होंने भारत के लिए 131 टेस्ट मैच खेलते हुए 434 विकेट झटके हैं।

लाथम को आउट कर रिकॉर्ड किया अपने नाम

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम लाथम कानपुर टेस्ट के पांचवें दिन क्रीज पर जमे हुए थे। उन्होंने 138 गेंदों में अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली थी, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया, अश्विन की एक शानदार गेंद पर वह बोल्ड हो गए। अश्विन ने भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

तीसरे दिन तोड़ा था वसीम अकरम का रिकॉर्ड

भारत-न्यूजीलैंड मैच के तीसरे दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी में काइल जेमीसन (23) का विकेट आर अश्विन ने हासिल किया। कीवी टीम का आखिरी विकेट विलियम सोमरविले के रूप में गिरा और ये सफलता भी अश्विन ने भारत को दिलाई। जेमीसन के विकेट के साथ ही अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के वसीम अकरम (414) से आगे निकल गए थे।

लॉर्ड शार्दूल की नई पारी की शुरुआत

अफ्रीका दौरे से पहले गर्लफ्रेंड मिताली संग की सगाई

» अगले साल करेंगे शादी; चेन्नई सुपर किंग्स ने दी बधाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के स्टार ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर ने सगाई कर ली है। उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड मिताली पारुलकर से सगाई की है। दोनों की सगाई की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस दौरान करीबी दोस्त और परिवार के लोग मौजूद थे। शार्दूल की सगाई का समारोह मुंबई के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के बीकेसी परिसर में हुआ। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, कुल 75 लोग सगाई में शामिल हुए थे। शार्दूल अगले साल ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद शादी कर सकते हैं। 30 साल के शार्दूल ने भारत के लिए अभी तक चार टेस्ट, 15 वनडे और 24 टी-20 मुकाबले खेले हैं। वो आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं। भारत और न्यूजीलैंड सीरीज में शार्दूल आराम कर रहे हैं। 17 दिसंबर से शुरू होने वाले अफ्रीका दौरे में वो टीम के साथ जुड़ सकते हैं।

नई दिल्ली। परमजीत कुमार विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा पावरलिफ्टर बन गए जिन्होंने रविवार को जॉर्जिया में चल रही चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। गांधीनगर स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर अभ्यास करने वाले कुमार ने पुरूषों के 49 किलो वर्ग में 158 किलो वजन उठाकर कांसे का तमगा अपने नाम किया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक

SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021

खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021

मप्र अकादमी के अविनाश 50 मीटर थ्री पोजीशन में दूसरे और तीसरे स्थान पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के अविनाश यादव और मानसी सुधीर सिंह कठैत का 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021 में शानदार प्रदर्शन जारी रहा। अविनाश 50 मीटर थ्री पोजीशन जूनियर और मेन वर्ग में क्रमश: दूसरे तथा तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। इसी इवेंट में अकादमी के ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर रविवार को चुनौती पेश करेंगे। इस वर्ग का फाइनल भी रविवार को ही खेला जाएगा। वहीं, मानसी 10 मीटर के जूनियर महिला और महिला वर्ग में कड़ी चुनौती पेश करते हुए क्रमश: तीसरे तथा चौथे स्थान पर बनी हुई है। चैम्पियनशिप का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जा रहा है। चैंपियनशिप में 10 और 50 मीटर के इवेंट खेले जा रहे हैं। मप्र अकादमी

के अविनाश 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन जूनियर पुरूष में 1158 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इसी वर्ग में पंजाब के पंकज मुखेजा (1159.50) पहले और दिल्ली के शिवम डबास (1158.00) अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। इसी वर्ग में मप्र के आदर्श तिवारी (1145) अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। वहीं, 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन पुरूष में नौसेना के किरण अंकुश जाधव (1172) अंकों के साथ चोटी पर है। वहीं, केरल के रिषि गिरीश (1160) अंक दूसरे, पंजाब के पंकज मुखेजा (1159) तीसरे और मप्र के अविनाश यादव (1158) चौथे स्थान पर है।

मप्र की मानसी दूसरे दिन तीसरे और चौथे स्थान पर

मप्र की मानसी ने 10 मीटर जूनियर महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दिन तीसरी रैंक हासिल की। मानसी ने 60 शॉट्स में कुल 627 अंक हासिल करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। कर्नाटक की पाहुनी पवार 627.70 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि तमिलनाडु की आर नर्मदा नितिन 627.50 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, 10 मीटर रायफल महिला वर्ग में दिल्ली की राजश्री अनिल कुमार संचेती (628.90) प्रथम, कर्नाटक की पाहुनी पवार (627.70) दूसरे, आर नर्मदा नितिन (627.50) तीसरे और मप्र की मानसी सुधीर सिंह कठैत (627) चौथे स्थान पर है। 10 मीटर रायफल यूथ महिला वर्ग में कर्नाटक की पाहुनी पवार (627.70) प्रथम, महाराष्ट्र की आर्या राजेश बोरसे (625.20) दूसरे और हरियाणा की पलक (624.50) तीसरे स्थान पर रही।

न्यूज ब्रीफ

प्रतिस्पर्द्धी कंपनियों के बड़े व्यापारी भी अब हमारे मंच पर आ रहेः पेटीएम

मुंबई। डिजिटल भुगतान और वित्त सेवा कंपनी पेटीएम ने दावा किया है कि उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के बड़े व्यापारी भी अब उसके मंच पर आ रहे हैं। पेटीएम के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी को अपने भुगतान उत्पादों के साथ मध्य-स्तरीय बाजार और स्टार्ट-अप क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का बड़ा अवसर दिखाई दे रहा है। पेटीएम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विजय शेखर शर्मा ने कहा कि कंपनी वीजा, मास्टर और पीसीआई, एमेक्स, यूपीआई जैसे सभी भुगतान नेटवर्क के लिए सबसे बड़े भागीदारों में से एक है। यही कारण है कि फ्लिपकार्ट और अन्य बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां पेटीएम भुगतान समाधान का उपयोग कर रही हैं।
वहीं पेटीएम के समूह मुख्य वित्त अधिकारी एवं अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने शनिवार शाम को कॉल के दौरान कहा, हम देख रहे हैं कि बड़े व्यापारी भी पेटीएम से शुरुआत कर रहे हैं। इनमें ऐसे भागीदार भी हैं जो कई वर्षों से अन्य कंपनियों के साथ जुड़े हुए थे। पेटीएम ब्रांड के तहत संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का 30 सितंबर, 2021 को समाप्त दूसरी तिमाही में एकीकृत घाटा बढ़कर लगभग 473 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 436.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

सामानों की महंगाई का असर : साबुन और डिटर्जेंट की कीमतें बढ़ीं, व्हील 3.5 फीसदी महंगा, रिन और अन्य भी महंगे हुए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ग्राहकों के सामान बनाने वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और ITC लिमिटेड ने अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा दी हैं। कंपनी ने कहा है कि ज्यादा लागत की वजह से यह फैसला करना पड़ा। इस कारण व्हील के एक किलो पैकेट की कीमत अब 3.5 फीसदी बढ़ गई है।

चुनिंदा प्रोडक्ट्स की बढ़ी कीमतें

कंपनी ने कहा कि चुनिंदा प्रोडक्ट्स की कीमत आधा किलो और एक किलो के पैक पर बढ़ी है। HUL ने अपने 1 किलो के व्हील डिटर्जेंट पावडर की कीमत में 3.4 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इससे आधा किलो के व्हील के पैक की कीमत 2 रुपए बढ़ जाएगी। इसने रिन डिटर्जेंट बार और लक्स साबुन की भी कीमतें बढ़ा दी हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हाल के समय में इनपुट लागत में काफी वृद्धि हुई है।

पूरी इंडस्ट्री ने बढ़ाई कीमतें

पूरी इंडस्ट्री ने कीमतों को बढ़ाया है। ITC का ध्यान कॉस्ट मैनेजमेंट पर प्रभावी ढंग से निपटने का है। उन्हें प्रीमियम बनाने, बिजनेस मिक्स के अनुकूल बनाने का है। लागत को कम करने और क्षमता बढ़ाने के लिए सभी तरीकों का मूल्यांकन भी किया जा रहा है। ताकि हमें पूरा भार ग्राहकों पर न डालना पड़े। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि प्रोडक्ट की कीमत बढ़ाना ही अंतिम उपाय नहीं होता है। क्योंकि हम ग्राहक को यथासंभव उतना प्रभावित नहीं करना चाहते हैं।

अभी तक इसकी कीमत 28 रुपए थी

इंगेज डियो परफ्यूम की कीमत 7.6% बढ़ी

पिछले हफ्ते पारले ने बिस्कुट की बढ़ाई थी कीमत

पाम ऑइल की कीमतें अपने टॉप पर हैं

माल-ढुलाई भी महंगी हो गई है

साबुन के लिए लगने वाले अन्य सामान भी महंगे हुए

महंगाई का सामना करना पड़ रहा है

फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनियों को पिछले कुछ समय से महंगाई के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। यह दबाव ईंधन की बढ़ती कीमतों, पाम तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ अन्य मूल्यवान सामानों के अलावा माल-ढुलाई की ऊंची लागत के कारण है। हाल ही में पारले प्रोडक्ट्स ने भी ज्यादा लागत को कम करने के लिए कीमतें बढ़ा दी हैं। इसने अपने बिस्कुट की सभी कैटिगरी की कीमतों को बढ़ाया है। हालांकि कुछ मामलों में इसने पैकेट का वजन कम कर दिया है।

दूसरी बार बढ़ीं कीमतें

जून तिमाही के रिजल्ट में एचयुएल के टॉप मैनेजमेंट ने कहा कि उसने स्किन की सफाई, लॉन्ड्री और चाय पोर्टफोलियो के प्रोडक्टस में दूसरी दफा कीमतें बढ़ाई हैं। कंपनी के प्रबंधन ने कहा कि बिजनेस मॉडल को बचाए रखने के लिए ये जरूरी था। फिर सितंबर तिमाही के रिजल्ट के समय कंपनी ने आगाह किया कि इनपुट लागत ज्यादा ही रहने वाली है। कंपनी के टॉप मैनेजमेंट ने तब कहा था कि कीमतें काफी सोच-विचार कर बढ़ाई गई हैं। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी रितेश तिवारी ने रिजल्ट के बाद विश्लेषकों को बताया कि पाम ऑइल और इसके अन्य सामानों की कीमतों में इजाफा हुआ है। हालांकि इनकी कीमतें पहले से ही थे आल टाइम हाई पर थीं। जबकि पाम ऑइन का सीजन फुल स्विंग में है। स्टॉक भी ठीक ठाक है। हम उम्मीद करते हैं कि वैश्विक कीमतें निकट अवधि में हमारे लिए मददगार बनी रहेंगी।

16 तनावग्रस्त सहकारी बैंकों के ग्राहकों को मिलेगा पांच लाख रुपये का जमा बीमा कवर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अनुषंगी इकाई डीआईसीजीसी से संबंधित एक नए कानून के तहत 16 तनावग्रस्त सहकारी बैंकों के ग्राहकों को सोमवार से पांच लाख रुपये तक का जमा बीमा कवर मिलेगा। जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ने इसके लिए पहले 21 बैंकों की एक सूची बनाई थी। लेकिन पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक समेत पांच अन्य

सहकारी बैंकों को समाधान प्रक्रिया से गुजरने के कारण इस सूची से बाहर कर दिया गया। संसद ने पिछले महीने जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (संशोधन) विधेयक, 2021 पारित किया था, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आरबीआई द्वारा बैंकों पर निषेध लगाने के 90 दिनों के भीतर खाताधारकों को पांच लाख रुपये मिलें। यह कानून एक सितंबर 2021 से लागू हुआ है, और इससे 90 दिनों की समयावधि 30 नवंबर 2021 को पूरी होगी तथा पहले चरण में भुगतान के लिए 90 दिनों की अवधि 30 नवंबर को पूरा हो रही है। डीआईसीजीसी की तरफ से जारी एक नोटिस के अनुसार इन बैंकों के जिन जमाकर्ताओं ने अभी तक अपने दावे जमा नहीं किए हैं, वे अपने संबंधित बैंकों से संपर्क कर सकते हैं। उसने कहा, जमाकर्ताओं को पहचान के लिए आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज तथा उनके खाते में जमा राशि प्राप्त करने के लिए लिखित सहमति देनी होगी, जो अधिकतम पांच लाख रुपये हो सकती है। ग्राहकों को अपने एक अलग बैंक खाते की जानकारी भी देनी होगी जिसमें पैसे भेजे जा सकें। डीआईसीजीसी के अनुसार वैध दस्तावेज जमा करने वाले जमाकर्ताओं को आधार कार्ड से जुड़े दूसरे बैंक खाते में राशि भेजी जायेगी।

हरियाणा ने विमान ईंधन पर लागू वैट में की कटौती

नई दिल्ली। हरियाणा ने विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर लागू मूल्य-वर्द्धित कर (वैट) में कटौती कर एक प्रतिशत कर दिया है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कई ट्वीट कर हरियाणा सरकार के इस कदम की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार जताते हुए कहा कि हरियाणा सरकार का यह कदम अन्य राज्यों के समक्ष एक उदाहरण पेश करेगा। सिंधिया ने अपने ट्वीट में कहा कि विमान ईंधन पर वैट की दर को एक प्रतिशत करने से हरियाणा में हवाई संपर्क एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही हरियाणा कर दरों में कटौती करने वाले अंडमान एवं निकोबार, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और त्रिपुरा की कतार में शामिल हो गया है।

स्टार्टअप को सहारा दे रहे नई तरह के ऐंजल निवेशक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नई पीढ़ी के स्टार्टअप के ऐंजल निवेशकों में आम तौर पर धनाढ्य निवेशक (एचएनआई) या हाल के वर्षों में निवेश बेचकर तगड़ी कमाई करने वाले स्टार्टअप के संस्थापक होते हैं। मगर स्टार्टअप के क्षेत्र में अब ऐंजल निवेशकों का एक नया वर्ग उभरा है। ये हैं स्टार्टअप कंपनियों के मध्यम स्तर के कर्मचारी, जिनके वेतन पैकेज में पिछले कुछ वर्षों खास तौर पर महामारी शुरू होने के बाद खासी तेजी आई है। माईस्टार्टअपइक्विटी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि 2020 में अकेले इस प्लेटफॉर्म ने करीब 3,000 स्टार्टअप कर्मचारियों को ईसॉप्स पुनर्खरीद से 85 करोड़ रुपये तक का लाभ उठाते देखा है। इक्विटी प्रबंधन प्लेटफॉर्म ईसॉप डायरेक्ट के अनुसार इस साल समूची स्टार्टअप व्यवस्था के आंकड़े देखें तो जुलाई 2020 से 3,200 करोड़ रुपये के ईसॉप्स की पुनर्खरीद हुई है। टाइगर ग्लोबल के निवेश वाला बीमा-टेक स्टार्टअप प्लम एचक्यू के मुख्य कार्याधिकारी और सह-संस्थापक अभिषेक पोद्दार ने कहा, इस समय इंजीनियरिंग और उत्पाद टीम को 25 से 50 लाख रुपये और उपाध्यक्ष को 50

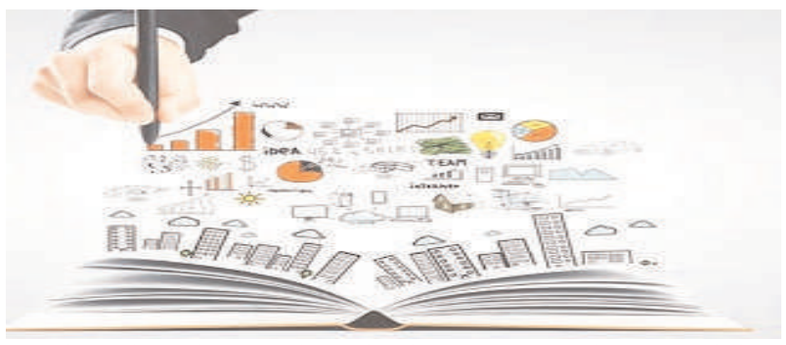

लाख से 1 करोड़ रुपये के बीच वेतन-भत्ते मिलते हैं। इनमें ईसॉप्स शामिल नहीं हैं जो कंपनी के शेयर का एक फीसदी तक हो सकता है। मोटी कमाई करने वाले ये अधिकारी आम तौर पर स्टार्टअप कंपनियों में 2 से 5 लाख रुपये तक का शुरुआती निवेश करते हैं। लेकिन कुछ मामलों में यह 10 लाख रुपये से ज्यादा भी होता है। स्विगी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुज राठी ने कहा, कनिष्ठ कर्मचारी भी कई स्टार्टअप में ऐंजल निवेशक बन रहे हैं। अब यह केवल अमीर लोगों का मैदान नहीं रह गया है। राठी ने पिछले साल से ऐंजल निवेश शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसे वे शुद्ध रू प से वित्तीय दांव नहीं मानते हैं। राठी ने कहा, %मैं खानपान से जुड़ी कंपनियों से दूर रहने का प्रयास करता हूं। इससे मुझसे दूसरे क्षेत्रों के बारे में सीखने में मदद मिली है और यह भी समझ आया है कि क्या सही है और क्या नहीं। फैमपे में उत्पाद टीम का नेतृत्व करने वाले बृजेश भारद्वाज ने इस साल अप्रैल में पहली बार ऐंजल निवेश के तौर पर अपना चेक जारी किया था। इसके बाद से उन्होंने पांच और स्टार्टअप में निवेश किया है। उनका निवेश 2 से 3 लाख रुपये के दायरे में है। उन्होंने कहा, %इन स्टार्टअप के लिए मेरा पैसा महत्त्वपूर्ण नहीं है। वे मुझे निवेशक के तौर पर इसलिए चाहते हैं क्योंकि वे मुझे कर्मचारी के तौर पर नियुक्त नहीं कर सकते।

अमेजन ने भारतीय वैधानिक व्यवस्था का अनादर कियाः फ्यूचर ग्रुप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमेरिकी कंपनी अमेजन के साथ तीखे विवाद में उलझे फ्यूचर ग्रुप ने ई-कॉमर्स कंपनी के प्रतिस्पर्द्धा आयोग की सुनवाई से अलग हटने को वैधानिक व्यवस्था के प्रति अनादर एवं अवमानना बताया है। फ्यूचर ग्रुप की कंपनी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) ने शेयर बाजारों को रविवार को दी गई एक सूचना में कहा कि अमेजन के प्रतिनिधि का प्रतिस्पर्द्धा आयोग में चल रही सुनवाई से बाहर आ जाना भारतीय वैधानिक व्यवस्था के प्रति अवमानना दर्शाता है। आयोग ने अमेजन को इस मामले में अतिरिक्त समय देने से मना कर दिया था। गत 24 नवंबर को अमेजन ने यह कहते हुए आयोग से मामले की सुनवाई टालने का अनुरोध किया था कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उसने उच्चतम न्यायालय में अपील की हुई है। इस आधार पर उसने आयोग से समय देने की मांग की थी। लेकिन प्रतिस्पर्द्धा आयोग के सदस्यों ने आपसी चर्चा के बाद अमेजन की यह मांग ठुकरा दी थी। एफआरएल के मुताबिक, ऐसी स्थिति में अमेजन के वकीलों ने निर्धारित मानकों का मानकों के प्रति अनादर जताते हुए इस मसले पर बहस करने से भी मना कर दिया और सुनवाई छोड़कर बाहर आ गए। फ्यूचर ग्रुप के इस आरोप पर प्रतिक्रिया के लिए भेजे गए ईमेल का अमेजन ने कोई जवाब नहीं दिया। दोनों कंपनियों के बीच फ्यूचर रिटेल की बिक्री संबंधी सौदे को लेकर विवाद चल रहा है।

रिचार्ज कराना महंगा

नई दिल्ली। एयरटेल और वीआई (वोडाफोन-आइडिया) के बाद जियो ने भी अपने रीचार्ज प्लान महंगे कर दिए हैं। जियो ने अपने प्लान में 21 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। जियो के 75 रुपए वाले प्लान के लिए 1 दिसंबर से 91 चुकाने होंगे। 129 रुपए वाला प्लान 155 रुपए, 399 वाला प्लान 479 रुपए, 1,299 वाला प्लान 1,559 रुपए और 2,399 वाला प्लान अब 2,879 रुपए में मिलेगा। डेटा टॉप-अप की कीमत भी बढ़ाई गई है। अब 6 जीबी डेटा के लिए 51 के बजाय 61, 12 जीबी के लिए 101 के बजाय 121 रुपए और 50 जीबी के लिए 251 रुपए के बजाय 301 खर्च करने होंगे। रेट बढ़ने के बाद भी अगर हम एयरटेल, वीआई और जियो के प्लान्स की तुलना करें तो आप पाएंगे कि जियो के प्लान्स बाकी दोनों कंपनियों से सस्ते हैं।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडइन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इष्टजन अपनी मौलिक,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।